जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 192 प्रभात जालोर, गुरुवार 17 अक्टूबर, 2024 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

उमर अब्दुल्लाह के शपथ ग्रहण में इंडिया गठबंधन की एकजुटता का प्रदर्शन

पर, कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई, बाहर से समर्थन देगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एन.सी.) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्लाह (54) ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ पाँच अन्य विधायकों ने भी मन्त्री पद की शपथ ली। इनमें सुरिन्दर चौधरी भी शामिल हैं, जो जम्मू के एक व्यवसायी हैं। उन्होंने जम्मू क्षेत्र की नौशेरा सीट से राज्य भाजपा अध्यक्ष रवीन्द्र रैना को पराजित किया था। इस उल्लेखनीय जीत पुरस्कार स्वरूप चौधरी जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री बनाये गए हैं।

श्रीनगर में आयोजित शपथ-ग्रहण समारोह की अध्यक्षता राज्य के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने की। इससे पहले, पिछले विधानसभा चुनावों में सुरिन्दर जब पी.डी.पी. उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े थे तो उन्हें रैना ने हरा दिया था। इसके बाद सुरिन्दर चौधरी पी.डी.पी. छोड़कर, एन.सी. में शामिल हो गए थे।

श्रीनगर के शेरे-ए-कश्मीर इन्टरनेशनल कन्वेंशन सेन्टर (एस.के. आई.सी.सी.) में आयोजित इस समारोह में जिन चार अन्य विधायकों को शपथ दिलाई गई वे हैं- सतीश शर्मा, सकीना इट्टू, जाविद दर तथा जाविद राना। सतीश शर्मा छम्ब से निर्वाचित निर्दलीय विधायक हैं, जिन्होंने चुनाव के बाद एन.सी. को समर्थन दे दिया था।

- उमर अब्दुल्लाह ने दूसरी बार जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री की शपथ ली। उमर केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री चुने गए हैं, उनके साथ 5 अन्य मंत्रियों ने शपथ ली।
- उमर ने जम्मू के नौशेरा से चुनाव जीते व्यवसायी सुरिंदर चौधरी को उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया। चौधरी ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना को हराया है।
- शपथ ग्रहण समारोह में इंडिया गठबंधन के सभी प्रमुख दलों के नेताओं ने भाग लिया, जिनमें अखिलेश यादव, मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, प्रकाश करात, डी.राजा, कनिमोई, सुप्रिया सुले प्रमुख थे।
- कांग्रेस के सरकार में शामिल नहीं होने पर अवश्य कुछ सवाल उठे। बताया जाता है कि एक ही मंत्री पद दिए जाने से नाराज़ होकर कांग्रेस ने बाहर से समर्थन देने का निर्णय लिया है।

वर्ष 2009 के बाद, उमर अब्दुल्लाह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं। उन्होंने केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले किन्तु अपेक्षाकृत कमजोर मुख्यमन्त्री बनने विशिष्टता अर्जित की है। ज्ञातव्य है कि केन्द्र सरकार ने 2019 में जम्मू-कश्मीर का "विशेष दर्जा समाप्त कर दिया था तथा उपराज्यपाल को ज्यादा शक्तियाँ दे दी थीं।"

शपथ ग्रहण समारोह से ठीक पहले अब्दुल्लाह ने कहा, "मैं छः वर्ष का कार्यकाल पूरा करने वाला अन्तिम मुख्यमन्त्री था। अब मैं केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का प्रथम मुख्यमन्त्री रहूँगा। छः साल का कार्यकाल पूरा करने की पिछली विशिष्टता को लेकर, मैं काफी प्रसन्न हूँ। किसी केन्द्र शासित प्रदेश का मुख्यमंत्री होना पूरी तरह भिन्न स्थिति है। इस पद की अपनी निजी चुनौतियाँ हैं। मैं यह आशा करता हूँ कि जम्मू-कश्मीर का केन्द्रशासित प्रदेश का दर्जा एक अस्थाई फैक्टर हैं।"

यूनियन टेरिटरी (यू.टी.) जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री सहित, मन्त्रियों के केवल 9 पद हैं। कांग्रेस के छः विधायकों में से किसी ने भी शपथ नहीं ली। दिल्ली में कांग्रेस के एक सूत्र ने कहा कि अब्दुल्लाह ने कैबिनेट मन्त्री के केवल एक पद की पेशकश की थी, लेकिन एक पद पार्टी को स्वीकार नहीं था। कांग्रेस विधायक दल के नेता गुलाम अहमद मीर ने कहा, "जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के समय कांग्रेस के किसी भी निर्वाचित सदस्य ने शपथ नहीं ली। (पार्टी का यह कदम) जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस न दिए जाने के लिए प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ हमारे विरोध का प्रतीक है।" उन्होंने कहा

(शेष पृष्ठ 3 पर)

नाबालिग पुत्री से अश्लीलता करने वाले पिता को सजा

जयपुर, 16 अक्टूबर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नशे की हालत में नाबालिग पुत्री से अश्लीलता करने वाले पिता को पांच साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 5500 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी मीना अवस्थी ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने पिता-पुत्री के रिश्ते को तार-तार करने वाला अपराध किया है, इसलिए उसके प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राजेश श्योराण ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर गत 23 मार्च को पीड़िता की मां ने जवाहर सर्किल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसका पति नशे का आदी है।

- पीड़िता की माँ की रिपोर्ट पर जवाहर सर्किल थाने ने 23 मार्च को अभियुक्त को गिरफ्तार किया था।

पूर्व में परिवार की एक अन्य महिला की शिकायत पर उसे एक साल जेल में रहना पड़ा था। वह कॉलोनी में भी निर्वस्त्र होकर आए दिन तमाशा करता है। बीती रात को उसने अपनी नाबालिग पुत्री के साथ अश्लीलता की है।

रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मदार में पैंथर ने महिला का शिकार किया

मौके पर युवक के लट्ठ बजाने से पैंथर भाग गया, उपचार के दौरान महिला की मृत्यु

उदयपुर, 16 अक्टूबर (कासं)। आदमखोर पैंथर की तलाश कर रही वन विभाग की टीम को अब तक सफलता नहीं मिली है, वहीं, पैंथर ने बुधवार को एक महिला को अपना शिकार बना लिया। घटना गोगुन्दा-बड़गांव उपखंड सीमा क्षेत्र में आने वाले मदार गांव की है। यह गांव राठौड़ों का गुडा व केलवों का खेड़ा के पास ही है। कयास लगाए जा रहे हैं कि आदमखोर पैंथर ने अपना एरिया बदल दिया है। घटना के अनुसार, मदार बड़ा तालाब के समीप दो महिलाएं सोयाबीन की फसल काट रही थीं, तभी पैंथर ने हमला बोल दिया। हमले में एक महिला गंभीर रुप से घायल हो गई और उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मौके पर मौजूद एक युवक ने लट्ठ बजाकर पैंथर को भगाया।

जानकारी के अनुसार, मदार बड़ा तालाब के समीप स्थित एक खेत में मांगीबाई (66) व केसी बाई (60) सोयाबीन की फसल काट रही थीं। युवक गणेश ने बताया कि उसकी मां केसीबाई व मांगीबाई तथा वह खुद सोयाबीन की फसल काट रहे थे। इस दौरान अचानक आए पैंथर ने मांगीबाई पर हमला कर उसकी गर्दन जबड़े में दबोच ली। युवक लट्ठ लेकर दौड़ा तो पैंथर मांगीबाई को छोड़ युवक की मां केसीबाई पर हमला करने लगा। युवक ने तेजी से लट्ठ घूमाते हुए पैंथर को वहां से भगाया। हमले में मांगीबाई की मौत हो गई, जबकि केसीबाई, पत्नी चुन्नीलाल घायल है।

- बुधवार को मदार गाँव में दो महिलायें सोयाबीन की फसल काट रही थीं, जब पैंथर ने हमला किया। मांगीबाई की गर्दन पैंथर ने जबड़े में दबोच ली, युवक के लाठी बजाने से पैंथर भाग गया।
- मंगलवार रात बड़गाँव क्षेत्र में रात डेढ़ बजे एक राहगीर ने पैंथर का वीडियो बनाया। पैंथर बछड़े की गर्दन दबोच कर दीवार पर चढ़ रहा था। यह आबादी क्षेत्र हैं, इस कारण दहशत फैल गई है।

डी.एफ.ओ. मुकेश सैनी ने बताया कि वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है तथा मदार बड़ा तालाब के आसपास व गांव क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। राठौड़ों का गुडा व केलवों का खेड़ा में वन विभाग की टीम करीब 20 दिनों से पैंथर की तलाश में जुटी है लेकिन वह अभी भी पकड़ से दूर है। आदमखोर पैंथर अब तक नौ जानें ले चुका है।

बताया जा रहा है कि, मंगलवार रात बड़गांव क्षेत्र में भी एक पैंथर देखा गया। रात करीब 1.30 बजे एक राहगीर ने इसका वीडियो बनाया। जिसमें पैंथर बछड़े को गर्दन से दबोचकर 4 फीट ऊंची दीवार पर चढ़ता नज़र आ रहा है। दो दिन पहले पैंथर ने उदयपुर से 7 किमी दूर बडी गांव में एक बाड़े में घुसकर बछड़े को मार डाला था। गोगुंदा क्षेत्र में कई दिनों से पैंथर की दहशत फैली थी, अब बडगांव क्षेत्र में भी पैंथर की आहट नज़र आने लगी है।

बडगांव सरपंच संजय शर्मा बुधवार सुबह मौके पर पहुंचे तथा वन विभाग से तत्काल पिंजरा लगाने की मांग की। पंचायत समिति सदस्य भुवनेश व्यास ने भी समय रहते पिंजरा लगाने की मांग की है। जिस जगह पैंथर ने गाय के बछड़े का शिकार किया है वह आबादी क्षेत्र है इसलिए लोगों की चिंता

(शेष पृष्ठ 3 पर)

कैनडा ने भारत पर प्रतिबंध लगाने के संकेत दिए

पर, कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा हुआ तो कैनडा को ज्यादा भारी कीमत चुकानी होगी

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मुद्दे पर नई दिल्ली व ओटावा के बीच चल रहे तनाव का अगला कदम क्या होगा? कैनडा की विदेश मंत्री मैलनी जॉली ने संकेत दिया कि भारत पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। कैनडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर अपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने और कैनडा के नागरिकों को टारगैट करने का आरोप लगाया और कहा, भारतीय एजेंटों के लिप्त होने के कई सबूत हैं। इस आरोप को भारत सरकार ने सिरे से खारिज कर दिया।

अगर कैनडा ने प्रतिबंध लगा दिए तो नतीजा क्या होगा?

अगर कूटनीतिक गतिरोध जारी रहा और ओटावा ने प्रतिबंध लगा दिए तो कैनडा को कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। इसके संभावित लाभ कम हैं, पर आर्थिक व कूटनीतिक नुकसान ज्यादा है।

- कैनडा का भारत में काफी निवेश है। कैनेडियन पैन्शन फंड ने भारत में 75 अरब कैनेडियन डॉलर्स का निवेश किया हैं, साथ ही कैनडा की 600 कम्पनियाँ यहाँ काम कर रही हैं। प्रतिबंध लगे तो इन निवेशों व कम्पनियों के कामकाज पर प्रभाव पड़ेगा।
- भारत, कैनडा के कृषि उत्पादों का प्रमुख बाज़ार है और अगर कैनडा ने प्रतिबंध लगाए तो ऑस्ट्रेलिया जैसे देश इस बाज़ार पर आधिपत्य कर लेंगे।
- इन प्रतिबंधों का भारत पर ज्यादा असर नहीं होगा, क्योंकि भारत में होने वाले विदेशी निवेश में कैनडा की भागीदारी मात्र 0.57 प्रतिशत है।

भारत में कैनडा के कई आर्थिक हित हैं। कैनडियन पेंशन फंड ने भारत में 75 अरब कैनडियन डॉलर का निवेश किया है और 600 कैनडियन कम्पनियां भारत में काम कर रही हैं। किसी भी प्रकार के प्रतिबंध से इस निवेश का नुकसान होगा। बिज़नैस बाधित होगा, जिससे आर्थिक नुकसान होगा। कैनडा के लिए भारत एक प्रमुख नियति बाज़ार है, कैनडा के कई कृषि उत्पाद जैसे दालें आदि भारत खरीदता है। प्रतिबंध लगाने से कैनडा यह बाज़ार आस्ट्रेलिया के सुपुर्द कर देगा।

प्रतिबंध लगाए जाने पर भारत भी

(शेष पृष्ठ 3 पर)

बकाया गुजारा भत्ते की वसूली पति की जमीन की नीलामी से होगी

जयपुर, 16 अक्टूबर। पारिवारिक न्यायालय क्रम-2 महानगर द्वितीय, ने पत्नी को कई महीने से बकाया चल रही गुजारा भत्ते की राशि, 3 लाख रुपए नहीं देने पर जमवारामगढ़ तहसीलदार को, पति की जमीन कुर्क कर बकाया राशि वसूलने के आदेश दिए हैं। आदेश के बाद तहसीलदार ने पति की ग्राम ताला में खातेदारी जमीन को कुर्क कर भू अभिलेख निरीक्षक को इसकी 5 नवंबर को नीलामी करने को कहा है।

- पारिवारिक न्यायालय ने ग्राम ताला में पति की खातेदारी जमीन कुर्क करके 5 नवम्बर को नीलामी करने को कहा।

अधिवक्ता डी.एस. शेखावत ने बताया कि 5 जून 2012 को प्रार्थिया की शादी अप्रार्थी पति के साथ सामूहिक विवाह सम्मेलन में हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल वालों ने प्रार्थिया को दहेज के लिए प्रताड़ित किया और गाली-

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मैसूर अरबन डवलपमैंट अथॉरिटी के चीफ मारीगौड़ा ने अचानक इस्तीफा दिया

मारीगौड़ा ने इस्तीफे के बाद बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस्तीफा दिया है, साथ ही उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्या भी है

-लक्ष्मण वैंकट कुची -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। कर्नाटक में एम.यू.डी.ए. (मैसुर अरबन डवलपमैंट अथॉरिटी) "मुडा लैंड स्केम" में तेजी से बदलते घटनाक्रम के बीच भाजपा और कांग्रेस में एक रोचक जंग छिड़ गई है जिसके केन्द्र में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया है।

ऐसे समय में जब भाजपा इस मुद्दे पर भड़की हुई है और राष्ट्रपति से मांग कर रही है कि भ्रष्ट एवं हिन्दू विरोधी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को बर्खास्त किया जाए, इसी बीच मैसूर अरबन डवलपमैंट अथॉरिटी के चेयरमैन के. मैरीगौडा ने निजी कारणों का हवाला देकर पद से इस्तीफा दे दिया। मैरीगौडा को मुख्यमंत्री का करीबी माना जाता है उन्होंने इस्तीफे के कारणों में स्वास्थ्य मन्त्री के अलावा मुख्यमन्त्री के निर्देश को भी कारण बताया है।

लेकिन उन्होंने इस बात से साफ इन्कार किया कि उनके इस्तीफे के पीछे कोई राजनैतिक दबाव है। उन्होंने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, "मैं मन्त्री महोदय से मिला और उन्हें अपना इस्तीफा दिया। मुख्यमन्त्री ने मुझे इस्तीफा देने का निर्देश दिया था और मैंने इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा मेरा स्वास्थ्य का एक बड़ा कारण है, न्यायिक जांच ल रही है चलती रहेगी। जांच पूरी होने के साथ सच्चाई सामने आ जाएगी।"

- मारीगौड़ा के इस्तीफे के बाद कर्नाटक भाजपा ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मुहिम तेज कर दी है। भाजपा नेता राष्ट्रपति मुर्मू से मिलने की तैयारी में हैं और उनसे भ्रष्ट व हिंदू विरोधी मु.मंत्री सिद्धारमैया को बर्खास्त करने की मांग करेंगे।

समूची कांग्रेस पार्टी मुख्यमन्त्री के पक्ष में एकजुट है और पार्टी ने भाजपा के भ्रष्टाचार के आरोपों को नकार दिया तथा कहा कि भाजपा कर्नाटक हारने से निराश है इसलिए "मुडा स्कैम" को मुद्दा बना रही है। इस मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट जांच का आदेश दे चुका है और जांच चल रही है। लेकिन राज्य के भाजपा नेता मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं। उनका कहना है कि अगर पुलिस उनके मातहत काम कर रही है तो स्वतंत्र जांच कैसे हो सकती है। उन्हें जांच चलने तक इस्तीफा दे देना चाहिए।

इस समय मुडा चेयरमैन जिन्होंने मुख्यमन्त्री की पत्नी द्वारा लौटाई गई जमीन स्वीकार कर ली थी, के इस्तीफे ने आग में घी डाल दिया है।

मैरीगौडा ने कहा, "मेरे ऊपर इस्तीफा देने के लिए कोई दबाव नहीं था। मेरा स्वास्थ्य वास्तव में ही ठीक नहीं चल रहा है, इसलिए मैं स्वेच्छा से ही पद से हट रहा हूँ। मैं मुख्यमंत्री को पिछले 40 साल से जानता हूँ। उन्होंने मुझे जिलाध्यक्ष नियुक्त किया तथा कभी भी कोई गैर कानूनी काम करने के लिए नहीं कहा, एम.यू.डी.ए. के सम्बन्ध में भी नहीं। मैं निजी कारणों से इस्तीफा दे रहा हूँ। मुझे दो स्ट्रोक आ चुके हैं तथा अब मैं पद पर नहीं सकता।" एम.यू.डी.ए. अधिकारी को पिछले महीने अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था क्योंकि उन्होंने लम्बी सड़क यात्रा के दौरान थकान एवं कष्ट की शिकायत की थी। उनका इलाज मैसुरू अस्पताल में हुआ था।

मामला यह है कि, मुख्यमंत्री की पत्नी बी.एम. पार्वती की जो जमीन मैसूर डवलमैंट अथॉरिटी ने अधिग्रहीत की थी उसके ऐवज में उन्हें जो जमीन अलॉट की गई वो मैसूर के एक महंगे क्षेत्र में है और उस संपत्ति की कीमत अधिग्रहित भूमि से अधिक है। इधर, भाजपा ने सन् 2022 में हुबली पुलिस

(शेष पृष्ठ 3 पर)

न्याय की देवी की आँखों से पट्टी हटी

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। फिल्मों और अदालतों में आंखों पर बंधी पट्टी के साथ न्याय की देवी की मूर्ति को सभी ने देखा होगा। लेकिन, अब नए भारत की न्याय की देवी की आंखें खुल गईं हैं। यहां तक कि उनके हाथ में तलवार की जगह संविधान आ गया है। कुछ समय पहले ही अंग्रेजों के कानून बदले गए हैं।

- भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चन्द्रचूड़ के निर्देश से न्याय की देवी की मूर्ति में यह बदलाव किया जा रहा है। अब मूर्ति के हाथ में संविधान होगा।

अब भारतीय न्यायपालिका ने भी ब्रिटिश युग को पीछे छोड़ते हुए नया रंगरूप अपनाना शुरू कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का ना केवल प्रतीक बदला है बल्कि सालों से न्याय की देवी की आंखों पर बंधी पट्टी भी हट गई है। जाहिर है कि सुप्रीम कोर्ट ने देश को संदेश दिया

(शेष पृष्ठ 3 पर)

अचानक क्यों बढ़ गई हैं विमान में बम की अफवाह फैलाने वाली फ़र्ज़ी कॉल्स?

कहीं इसका उद्देश्य, तेजी से बढ़ रही इंडियन एविएशन इंडस्ट्री की छवि खराब करना तो नहीं है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। पिछले 48 घंटों में कई स्रोतों से बार-बार आ रही बम की अफवाहों के परिणामस्वरुप भारतीय विमानन (एविएशन) उद्योग ठप्प सा हो गया है। विभिन्न एविएशन कंपनियों की 12 फ्लाइट्स को बम की धमकी मिली है और सभी फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं।

भारत की एयरलाइन्स को मिलने वाली बम की धमकियों में अचानक आई तेजी संबंधित अधिकारियों के लिए भारी सिर दर्द बन गई है। नागरिक विमानन मंत्रालय ने डायरैक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन के साथ शीर्ष स्तर पर चर्चा की है, जो कि मुख्य रुप से भारतीय विमानन उद्योग के संचालन के साथ-साथ सुरक्षा के लिए जिम्मेवार है।

जानकारी के अनुसार, बम की धमकी देने वालों के बारे में कुछ सुराग मिले हैं, लेकिन, एजेन्सियाँ अभी तक धमकी देने वालों तथा उनसे संबंधित लोगों की पूरी पहचान नहीं कर पाई हैं। लेकिन, एयरलाइन्स के बारे में लगातार दी जा रही ऐसी फर्जी धमकियाँ उनकी प्रतिष्ठा को तथा बिज़नैस को नुकसान पहुँचा सकती है।

सौभाग्यवश, अभी तक, इन फर्जी कॉल्स के बाद फ्लाइट्स पर कोई बम नहीं मिले हैं। तथापि, बम की धमकी की इन कॉल्स को, किसी भी सूरत में कभी भी सहजता से नहीं लिया जा सकता है।

एयरलाइन्स के संचालन के लिए बम की अफवाह सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि इनसे यात्रियों की सुरक्षा जोखिम में पड़ती है।

- विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में एविएशन उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, ना केवल विदेश जाने वाली उड़ानों की मांग बढ़ी है, बल्कि घरेलू स्तर पर भी मांग बढ़ी है। एयरलाइन कम्पनियाँ नए विमान खरीद रही हैं। क्या बाज़ार के अन्य प्रतिस्पर्धी सुरक्षा का डर पैदा करके भारतीय विमान सेवाओं की साख खराब कर रहे हैं।
- एक संदेह और पैदा हो रहा है कि बार-बार फर्ज़ी कॉल्स आने से एयरलाइन्स व सुरक्षा एजेंसियाँ लापरवाह होकर सुरक्षा संबंधी प्रोटोकॉल्स में लापरवाही बरत सकती हैं, जिससे आतंकियों को अपने मंसूबे पूरे करने में मदद मिल सकती है।

प्रश्न यह है कि भारतीय एयरलाइनों को अचानक इतने अधिक ऐसे फर्जी कॉल्स क्यों मिल रहे हैं। अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न है, क्या इन फर्जी धमकियों के पीछे और भयावह योजनाएं तो नहीं हैं। क्योंकि खतरा यह है कि, फर्जी धमकियों के बढ़ने के साथ एयरलाइन्स या सुरक्षा एजेन्सियाँ बेपरवाह व असावधान हो सकती हैं तथा सिक्यूरिटी प्रोटोकॉल्स को नज़र अंदाज़ करना शुरु कर सकती हैं।

शिकागो से बॉम्बे की एक एयर इण्डिया फ्लाइट को दूरस्थ आर्कटिक क्षेत्र के एक कैनेडियन एयरपोर्ट पर एमरजैन्सी लैण्डिंग करनी पड़ी। हवाई जहाज के सभी यात्रियों को फिर एक कैनेडियन मिलिटरी एयरक्राफ्ट से शिकागो भेजना पड़ा।

दूसरी तरफ, सिंगापुर में, सिंगापुर आर्म्ड फोर्सेज़ के एफ 16 फिशर जैट्स ने, एयर इण्डिया एक्स्प्रैस की एक फ्लाइट को एस्कॉर्ट करके चांगी एयरपोर्ट पर उसकी लैण्डिंग करवाई। वर्तमान में सिंगापुर की अथॉरिटीज़ उक्त एयरक्राफ्ट की जांच कर रही हैं।

इसी प्रकार, बॉम्बे से न्यूयॉर्क जा रही एयर इण्डिया की एक फ्लाइट को टेक ऑफ के बाद, इसी प्रकार की बम की धमकी मिलने के बाद दिल्ली भेजना पड़ा।

इस तरह की बम की फर्जी कॉल्स लंबी अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानों तक ही सीमित नहीं हैं। कम दूरी की घरेलू उड़ानों के साथ भी ऐसा हुआ है। इसी तरह की फर्जी धमकी के बाद स्पाइस जैट की एक फ्लाइट को रद्द करना पड़ा था।

बार-बार आने वाली इन धमकी भरी झूठी कॉल्स से फ्लाइट शिड्यूल में व्यवधान आता है तथा उड़ाने प्रभावित

(शेष पृष्ठ 3 पर)

बम की धमकीः 7 फ्लाइट्स की इमरजैंसी लैडिंग

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। इंडियन एयरलाइंस की सात और फ्लाइट्स में बुधवार को बम होने की धमकी मिली। इसमें इंडिगो की चार, स्पाइसजेट की 2 और अकासा की एक फ्लाइट शामिल है। पिछले 3 दिन में 19 विमानों को बम

- जाँच में सभी धमकियाँ झूठी निकलीं, पर, केन्द्र ने उड़ानों में एयर मार्शलों की संख्या दुगुनी करने का निर्णय लिया।

की धमकी मिल चुकी है। 15 अक्टूबर को 7 फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थी। इन फ्लाइट्स में एअर इंडिया एक्सप्रेस का दिल्ली से शिकागो जाने वाला विमान भी शामिल था। उसे कनाडा डायवर्ट कर इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया था।

जांच में इन फ्लाइट्स में बम की खबर झूठी निकली थीं। हालांकि, सभी

(शेष पृष्ठ 3 पर)

विचार बिन्दु

मनस्वी पुरुष पर्वत के समान ऊँचे और समुद्र के समान गंभीर होते हैं। उनका पार पाना कठिन है। –माघ

चुनाव में हारते ही ईवीएम की पिटाई, कब तक?

हरयाणा के चुनाव सम्पन्न हुए। भाजपा विजयी हुई। कांग्रेस के लिए करीब-करीब सारे टीवी चैनल्स, राजनीतिक विश्लेषकों द्वारा विजय का आकलन था, जो 100 प्रतिशत गलत सिद्ध हुए।

हारी हुई कांग्रेस नें ओर बातों के साथ-साथ, ईवीएम पर भी अपनी हार का ठीकरा फोड़ा है। चुनाव आयोग को शिकायत की है। चुनाव आयोग कब और क्या करेगा अल्लाह, (नहीं-नहीं अकेला अल्लाह क्यों, सनातनी देवता, देवियां भी) जाने।

खैर इस बीच मंदिर में बैठे एक समूह में, ईवीएम पर कुछ रोचक और कुछ कुछ गम्भीर बातें सुनी, वो ही आपको भी सुनता हूँ।

एक व्यक्ति का प्रश्न था कि-जब हजारों मील दूर से बैंक एकाउंट, हवाई जहाज हैक हो सकते है, भूले-बिसरे से उपकरण पेजर के माध्यम से दुश्मन के ठिकाने ध्वस्त किए जा सकते है, एयरपोर्ट, एम्स जैसे अस्पतालों का पूरा सिस्टम स्टैंडस्टिल किया जा सकता है तो फिर EVM को हैक क्यों नहीं किया जा सकता?

दूसरे का उत्तर था-चुनाव आयोग के अनुसार, EVM स्टैंड अलोन मशीन है, बाहर के इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल्स से पूर्णत: कटऑफ है, इसलिए इसको हैक नहीं किया जा सकता।

पहले नें कहा EVM सॉफ्टवेयर आधारित उपकरण है तो दूर से ऑपरेट क्यों नही हो सकती? सॉफ्टवेयर को डिजाइन इस ढंग से किया जा सकता है कि कुछ इंटरवल्स पर, पूर्व से मशीन में इंस्टाल किए प्रोग्राम के अनुसार वोटों की, एक उम्मीदवार के लिए सेलेक्टिव रिकार्डिंग शुरू कर दे और कुछ अंतराल में फिर वोटों की नॉर्मल रिकार्डिंग शुरू कर दे।

दूसरे का उत्तर था बात गले तो नही उतर रही।

अब तक शान्त तीसरे व्यक्ति नें बोला कि 6, 7 बार तो सुप्रीम कोर्ट, ईवीएम से चुनाव न करने वाली व इसमें गड़बड़ी की आशंकाओं वाली याचिकाएं खारिज कर चुका है। भारत के चुनाव आयोग नें भी सभी राजनीतिक दलों व आपत्ति करने वालों को अवसर दिया था कि उनके समक्ष ईवीएम को हैक करके दिखाओ..**किन्तु अभी तक तो कोई हैकिंग का प्रदर्शन कर नहीं सका।**

पहले व्यक्ति का प्रति उत्तर था कि अब तक कोई कर नहीं सका, इस से यह प्रमाणित नहीं होता कि यह मशीन हैक नही हो सकती। कोइ ईलेक्ट्रॉनिक उपकरण ऐसा नहीं हो सकता जिसको दूर से, इच्छानुसार, संचालित नहीं किया जा सकता। घर से बाहर रहते हुए फ्रिज, पंखे, टीवी, पीसी ऑपरेट किए जा सकते हैं तो फिर EVM क्यों नहीं??

इस तर्क के विपरीत समूह के एक दूसरे व्यक्ति का कहना था कि एक विधान सभा क्षेत्र में चुनाव कराने के लिए शुरू से अंत तक कम से कम 400, 500 व्यक्ति विभिन्न समय, विभिन्न प्रकार के काम करते है। इतने आदमियों के मध्य जो कार्य सम्पन्न हो, वहां से कोई EVM मशीन हैक कर दे बात समझ में तो नहीं आती।

अगर यह तर्क हो कि मतदान वाले दिन कोई ऐसा कर सकता तो भी मतदान दल के 6, 7 व्यक्तियों के बीच यह बात गोपनीय रह नही सकती। मान लो तर्क यह हो कि जिस प्रेजाइडिंग अधिकारी के पास मशीन को मतदान के लिए चालू बंद करने का अधिकार है, वह हैकिंग करना चाहे तो भी गोपनीय रखना मुश्किल ही लगता है।

लेकिन मान लें कि यह पीठासीन व्यक्ति किसी विशिष्ट पार्टी से संचालित विश्वशनीय व्यक्ति है तो भी उसे हैक करने वाला सॉफ्टवेयर तो पहले से देना पड़ेगा और यह भी अति गोपनीय ढंग से हो सके, ऐसी संभावनाएं भी शून्य जैसी लगती है। यदि ऐसा किया भी जा सके तो कितने पोलिंग बूथ्स पर यह करने पर किसी उम्मीदवार को जिताया जा सकेगा?? और किसी पार्टी को जिताने के लिए कितने निर्वाचन क्षेत्रों में ऐसा करना पड़ेगा ?? और क्या इतने बड़े पैमाने पर यह गोपनीयता बरकरार रखी जा सकती है??? शायद नहीं।

चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की शिकायतें भी होती है और निर्वाचन अधिकारी, चुनाव आयोग के पर्यवेक्षक मौके पर पहुंच कर समाधान भी करते है।

इस पर एक दूसरे व्यक्ति नें कहा से मतदान और विविपेट मशीन पर भिन्न व्यक्ति नाम आने से सम्बन्धित शिकायत का तो कोई संतोषप्रद समाधान नहीं होता।

उसने आगे बताया कि उसके एक दोस्त नें वोट किसी को दिया और विविपेट मशीन पर नाम किसी ओर का दिखाया। उसने तत्काल जिला निर्वाचन अधिकारी व ECI को शिकायत की। उसके पास टेलीफोन भी आया। उसे मतदान केंद्र पर वापिस बुलाया, उसे सुना। जो दल सुनवाई करने आया, उसने कहा, **सबसे पहले आपको शपथपत्र** देना होगा कि यदि शिकायत गलत पाई तो आपराधिक कार्यवाही की जा सकती है।

एक व्यक्ति का प्रश्न था कि-जब हजारों मील दूर से बैंक एकाउंट, हवाई जहाज हैक हो सकते है, भूले-बिसरे से उपकरण पेजर के माध्यम से दुश्मन के ठिकाने ध्वस्त किए जा सकते है, एयरपोर्ट, एम्स जैसे अस्पतालों का पूरा सिस्टम स्टैंडस्टिल किया जा सकता है तो फिर EVM को हैक क्यों नहीं किया जा सकता?

पहली बात तो यह थी कि आपराधिक कार्यवाही के लिए शपथपत्र की आवश्यकता, वह बिना इसके भी की जा सकती है। **उस व्यक्ति नें आगे कहा कि उसके दोस्त नें पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई की जांच कैसे करोगे??**

इस पर मोटामोटी उस टीम का कहना था, इस मशीन को हटा के दूसरी मशीन से आगे की वोटिंग होगी। उसका भी टेंडर वोट डलवाया जाएगा। उस मशीन को शील किया जाएगा और गणना के समय कम्पनी के टेक्निकल अधिकारी जिस वोट पर ऑब्जेक्शन हुआ उसे अलग करेंगे आदि आदि....।

मेरे खपती दोस्त नें कहा बात समझ में नही आई कि उसका पहली मशीन में डाल वोट अलग से कैसे पहचाना जाएगा? उसके उस टीम की बात समझ में नही आई और उसने शपथपत्र नहीं दिया। मतदान के बाद व गणना सम्पन्न होने के बाद ECI से उसके पास मेल आया कि आपकी शिकायत का समाधान कर दिया गया।

पहले वाले व्यक्ति नें फिर कहा कि पीठासीन अधिकारी और हैकिंग वाली जो बात कही उस से भी यह तो सामने आता ही है कि यदि पीठासीन अधिकारी चाहे तो हैकिंग सम्भव है!! जब हजारों किलोमीटर से पेजर को सिग्नल देकर सर्किट को चालू कर विस्फोट किया जा सकता है तो वोटिंग मशीन को सिग्नल क्यों नहीं दिया जा सकता?? सॉफ्ट वेयर है तो हैकिंग सम्भव है। हैकर किसी के खाते से पैसे निकाल लेते है और एकाउंट फिर चालू कर देते है **तथा सॉफ्टिस्टकेटेड हथियारों से लेकर रोजमर्रा की जिंदगी में ऐसे अनेक उदाहरण गिनाए जा सकते है जहां पूर्व स्थापित सॉफ्टवेयर को दूर से सिग्नल भेज कर ऑपरेट किया जा सकता है और किया जाता है।**

हैकिंग को नामुमकिन मानने वालों में से एक नें कहा मशीन वोटिंग के लिए तैयार करने से लेकर, चुनाव सम्पन्न होने तक की सारी कार्यवाही उम्मीदवारों के पोलिंग एजेंट्स के सामने होती है।कितने वोट पड़े उसका पूरा विवरण उन्हें दिया जाता है। **गड़बड़ी की शून्य गुंजाइस है।**

हैकिंग को सम्भव मानने वाले भाई नें मैदान नहीं छोड़ा और उसका सबसे बड़ा तर्क था कि कोई भी इलेक्ट्रॉनिक गजेट दूर से ऑपरेट किया जा सकता है तो वोटिंग मशीन भी हैक कर मन माफिक वोटिंग के लिए ऑपरेट की जा सकती है।

अभी तक शांत एक व्यक्ति नें कहा कि चुनाव कराना कोई बडी बात नहीं, उनकी **विश्वसनीयता सबसे महत्वपूर्ण है।** चुनाव तो अफ्रीका, साउथ अमेरिका, कई एशियन देशों से में भी होते है किंतु जनता परिणामों पर विश्वास नहीं करती और **ऐसे कई देशों में लोकतंत्र हिचकोले ही खाता** रहता है। पड़ोसी देश पाकिस्तान ही को उदाहरण के लिए ले ले।

भारत का चुनाव आयोग एक अत्यंत महत्वपूर्ण, लोकतंत्र की रक्षा करने वाली संस्था है। इसकी कार्यप्रणाली स्वत:, रति भर सन्देह से भी परे पारदर्शी होनी चाहिए किन्तु क्या हमारे ECI पर ऐसा गर्व किया जा सकता है? **टीएन शेषन से लेकर कई अन्य चुनाव आयुक्तों पर नि:सन्देह देश को गर्वित होना चाहिए किन्तु क्या अब ECI पर ऐसा गर्व किया जा सकता है, शायद नहीं।**

अभी तक शांत एक व्यक्ति एकाएक कुछ आवेशित सा होकर बोला कि **कुछ लोगों की हमेशा देश व देश की संस्थाओं को नीचा दिखाने की आदत हो गई है । मौके, बेमौके केवल आलोचना करना ही उनका काम है।**

साथ वाले नें थोड़ा शांत करवाते हुए कहा,भाई जान, प्रश्न पूछना से देश व देश की संस्थाएं बदनाम नही मजबूत होती है। देश व संस्थाएं कोई छुई मूई के पौधे है जो अलीचना हुई नहीं कि मुरझा जाए।

चुनाव प्रक्रिया से जनता संतुष्ट हो, ECI के लिए यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए। इसके लिए प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में रैंडम चयनित 2, 4, 5 % पोलिंग बूथ्स पर विविवेट्स की भी गणना की जानी चाहिए, जिस से इस मशीन से चुनाव कराने पर लोगों को संतुष्टि हो, कोई संदेह न रहे। विभिन्न राजनीतिक दलों व रेपुटेड संगठनों की अर्जियों पर शीघ्रातिशीघ्र सुनवाई की जानी चाहिए ताकि उनके माध्यम से जनता को EVM की विश्वशनियता पर संतुष्टि हो।

और अंत में, ECI द्वारा यह कहना कि EVM हैक नहीं हो सकती, पर्याप्त नहीं। ECI को विस्तार से जनमानस को संतुष्ट करने चाहिए कि जन मानस में जो कई प्रकार के प्रश्न है, उनके होते हुए भी, EVM क्यों नही हैक हो सकती?? शांतिपूर्वक, यथाविधि कराना ECI का दायित्व है और उस से भी उपर है इसकी विश्वशनियता हो।

-अतिथि सम्पादक,
महावीर सिंह,
आई.ए.एस. (से.नि.)

महामारी का रूप लेता जा रहा डेंगू प्रकोप

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

भले ही डेंगू के कारण मौत के आंकड़ें अधिक ना हो पर यह साफ है कि देश दुनिया में डेंगू का प्रकोप महामारी की तरह बढ़ता जा रहा है। देश के किसी भी हिस्से में चले जाओं डॉक्टरों व क्लिनिकों के बाहर बुखार से पीड़ितों की लंबी कतार देखी जा सकती है। डेंगू का पता ही तीन चार दिन बाद चलता है ऐसे में शुरुआत में तो बुखार का ही ईलाज किया जाता है। डेंगू की सामान्य धारणा प्लेटरेट्स में कमी आने को माना जाता है पर उससे भी गंभीर हो जाता है बीपी का अनियंत्रित खासतौर से बीपी स्तर में कमी आना होता है। डेंगू में उल्टी आना भी संकट का कारण बन जाता है। उल्टी के कारण डिहाईड्रेशन भी गंभीर हालत में ले जाता है। डेंगू का असर लीवर पर होता है। इसलिए डॉक्टरों द्वारा आराम करने की सलाह के साथ ही शरीर में पानी की कमी नहीं होने देने की सलाह दी जाती है।

एलोरा के ज्यूस व तरल पदार्थ अधिक लेने का सुझाव होता है तो कोल्ड ड्रिंक का उपयोग नहीं करने की सलाह भी दी जाती है। डेंगू की चार स्टेज मानी जाती है और खासतौर से डीएसएफ यानी डेंगू हेमरेजिंग फीवर और उससे भी अधिक डीएसएस यानी कि डेंगू शॉक सिन्ड्रोम अधिक गंभीर हो जाता है। खैर चिंता की बात यह है कि देश में इस समय तेजी से डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। बरसात में पानी जमा होने से डेंगू का मच्छर आसानी से उसमें पनप जाता है और सामान्यत: सुबह और शाम को ही अपना असर दिखाता है। कहा तो यह भी जाता है कि डेंगू मच्छर की पहुंच सामान्य आदमी के पांवों तक ही होती है। पर असर गहरा दिखाता है। भले ही हम कितने ही दावें करें पर साफ-सफाई की व्यवस्था हमारे शहरों में अच्छी नहीं है और उसका परिणाम मच्छर जनित रोगों का अत्यधिक यहां तक कि छठ-बारह महीने देखने को मिल जाता है। अब तो मच्छर गर्मी के मौसम में भी अपने आप को एडजस्ट करने लगे हैं।

भारत सहित दुनिया के देशों में बरसात के मौसम से डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ने लगता है। हांलाकि पिछली गर्मियों में भी डेंगू के मामलें बहुत ज्यादा सामने आये। लाख प्रयासों के बावजूद डेंगू पर नियंत्रण हो नहीं पा रहा है। डेंगू का प्रकोप दुनिया के अन्य देशों की तरह ही हमारे देश में भी 1780 से ही देखा जा रहा है। दुनिया के देशों में जहां 1779-80 में एशिया, उत्तरी अमेरिका, अफ्रीका आदि में पहली बार देखे गए वहीं 1780 में भारत में मद्रास जो अब चैन्नई में सामने आया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित दुनिया के देश डेंगू को लेकर अब गंभीर हो गए हैं। इसका बड़ा कारण है कि दुनिया के 130 देश डेंगू की जद में आ चुके हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इस समय 4 अरब लोग डेंगू से प्रभावित हो रहे हैं और 2050 तक यह आंकड़ा पांच अरब को पार कर जाएगा। भारत की बात की जाए तो देश के लगभग हर प्रदेश में डेंगू के नित नए केस सामने आ रहे हैं। भले ही यह माना जाता हो कि डेंगू के कारण मौत की दर बहुत कम है और सामान्यत: डेंगू सामान्य पेरासिटामोल और डॉक्टरों के सलाह के अनुसार पेय पदार्थ एलोरा ज्यूस आदि लेने से ठीक हो सकता है। हांलाकि कोल्ड ड्रिंक की सलाह नहीं दी जाती है। सामान्यत: यह माना जाता है कि डेंगू के कारण तेजी से प्लेटरेट में कमी आती है पर विशेषज्ञों का मानना है कि प्लेटरेट से भी ज्यादा गंभीर होता है ब्लड प्रेशर में कमी आना है। प्लेटरेट के साथ ही ब्लडप्रेशर को नियंत्रित रखना जरुरी हो जाता है। यह ध्यान रखना अधिक जरुरी हो जाता है कि ब्लड प्रेशर लो नहीं होना चाहिए। डेंगू का असर सीधे लीवर पर पड़ता है और ब्लड के अंत:स्राव की समस्या हो जाती है। जो अपने आप में गंभीर होती है। उल्टी होने से डिहाईडेशन की समस्या अधिक गंभीर हो जाती है। दरअसल एक समस्या यह है कि डेंगू का पता भी तीन चार दिन बाद पता चलता है। इसलिए सावधानी सबसे बड़ी जरुरी हो जाती है। खैर सबसे अधिक चिंतनीय यह है कि डेंगू का प्रकोप तेजी से बढने के कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन अब अधिक गंभीर हो गया है।

गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि इंडोनेसिया में डोन से सर्वे कर मच्छरों के लार्वा की खोज करके नष्ट करने का यह परिणाम रहा है कि डेंगू के मामलों में 70 फीसदी तक कमी आई है। डेंगू से बचाव के लिए डेंगू मच्छर का खात्मा करने वाले एंटीडेंगू मच्छर को दुनिया के करीब 14 देशों में छोड़े जाने का निर्णय किया गया है। वैज्ञानिकों द्वारा प्रयोगशाला में एंटीडेंगू मच्छर का सफल प्रयोग किया जा चुका है और ब्राजील में बड़ा केन्द्र बनाते हुए बोल्वाशिया मच्छर का उत्पादन आरंभ कर दिया गया है। हांलाकि किन किन 14 देशों में एंटी डेंगू मच्छरों को छोड़ा जाएगा यह निर्णय विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अभी किया जाना है। डेंगू की गंभीरता को देखते हुए ही गैर सरकारी वर्ल्ड मास्कीटों प्रोग्राम के तहत एंटीडेंगू मच्छर विकसित किया गया है। 2023 में इंडोनेशिया में इनका प्रयोग किया जा चुका है और इनके प्रभाव से 95 प्रतिशत तक सकारात्मक प्रभाव देखा गया है।

हालांकि 2011 में आस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में लगातार चार बरसाती सीजन में एंटीडेंगू मच्छर का प्रयोग किया गया और दावा किया गया कि वहां चार बरसातों में एक भी डेंगू का मामला सामने नहीं आया। इन मंच्छर में एक बैक्टिरिया वोल्वाशिया पापीएंटिस डाला गया है। वैज्ञानिकों का दावा है कि इससे बीमारी वाले मच्छरों को वायरस फैलाने से रोकने में सफल होंगे। अब तक के परीक्षणों में यह खरे भी उतरे हैं। डेंगू की भयावहता को इसी से समझा जा सकता है कि 16 मई को भारत में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाने लगा है। इस दिवस के आयोजन के माध्यम से लोगों में अवेयरनेस जागृत की जाती है। दरअसल डेंगू एडीज एजिप्टी प्रजाती की मादा मच्छर के कारण तेजी से फैलता है। बरसात के दिनों में यह मच्छर तेजी से फैलता है। जमा पानी और गंदगी आदि में डेंगू मच्छर तेजी से बढ़ते हैं। जुलाई से सितंबर, अक्टूबर तक डेंगू का प्रकोप अधिक रहता है। शुरुआती दो तीन दिन तक तो जांच में पता ही नहीं चलता है। डेंगू में 3 से 7 दिन अधिक गंभीर होते हैं। प्लेटरेट्स में तेजी से गिरावट होती है। हांलाकि डेंगू के कारण मौत तुलनात्मक रुप से कम है पर डेंगू का प्रभाव क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में एंटीडेंगू मच्छर शुभ संकेत माने जा सकते हैं।

डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए देश में ड्रोन का प्रयोग अधिक उपयोगी सिद्ध हो सकता है। इंदोर में डेंगू मच्छरों को नष्ट करने के लिए ड्रोन के उपयोग का निर्णय किया गया है। देश के अन्य हिस्सों में भी ड्रोन का उपयोग प्रयोग के रुप में किया जाने लगा है। सवाल साफ है कि डेंगू के प्रकोप को चुनौती के रुप में लेते हुए सरकार को ठोस प्रयास करने होंगे। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकारी और गैरसरकारी सभी संस्थाओं को आगे आना होगा और सबसे अधिक लोगों में अवेयरनेस के साथ ही स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता और सफाई के प्रति चेतना विकसित करनी होगी। आज खेती में ड्रोन का प्रयोग बढ़ता जा रहा है। ऐसे में मच्छरों के रोकथाम के लिए ड्रोन का प्रयोग अधिक उपयोगी सिद्ध हो सकता है। शहरी सरकार को ड्रोन का उपयोग करते हुए फोगिंग करानी चाहिए और मच्छरों को फैलने से रोका जाना चाहिए। इसके लिए सरकारी अस्पतालों में डेंगू के ईलाज पर नि:शुल्क दवा वितरण के बजट का कुछ अंश भी इस पर खर्च किया जाता है तो डेंगू को रोकने के कारगर प्रयास हो सकते हैं।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

उदयपुर के डॉ. पण्ड्या की शोध पुस्तक "इनसाइड द टेरिफाइंग वर्ल्ड ऑफ जैश-ए-मोहम्मद" का विमोचन

आतंकवाद मानवाधिकारों का सबसे बड़ा मौलिक उल्लंघन है : केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली। केन्द्रीय पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने नई दिल्ली के एक होटल में उसानास फ़ाउण्डेशन उदयपुर (राजस्थान) के संस्थापक और सीईओ डॉ. अभिनव पण्ड्या की श्रमसाध्य शोध पुस्तक "इनसाइड द टेरिफाइंग वर्ल्ड ऑफ जैश-ए-मोहम्मद" का विमोचन किया।

इस अवसर पर दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल (एलजी) तेजेंद्र खन्ना, पूर्व राजदूत एवं जाने-माने लेखक और साहित्यकार अनिल त्रिगुणायत, कई अनुभवी राजनयिक और शिक्षाविदों के साथ ही रक्षा प्रतिष्ठान के वर्तमान और सेवानिवृत्त अधिकारी उपस्थित थे। इस मौके पर केन्द्रीय पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि आतंकवाद मानवाधिकारों का सबसे बड़ा मौलिक उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि मैंने एक राजनयिक के रूप में अपने करियर के दौरान आतंकवादी समूहों द्वारा 'विचारधारा' के रूप में पेश की गई दोषपूर्ण कथाओं से बहुत शिद्धत के साथ निपटा है और हमेशा यह माना है कि आतंकवाद मानवाधिकारों के सिद्धान्तों के खिलाफ एक बड़ा अपराध है। पुरी ने कहा कि मुझे अत्यधिक ज्ञानवान दर्शकों की इस बड़ी सभा में शामिल होकर बहुत प्रसन्नता हुई है। इस अवसर पर पुस्तक चर्चा सत्र में पूर्व उप सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल आर के साहनी, भारतीय सेना के सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हुसैन, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के अतिरिक्त सचिव शिव मुरारी सहाय तथा डॉ. अभिनव पण्ड्या ने पुस्तक के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

प्रारम्भ में उसानास फ़ाउण्डेशन की निदेशक डॉ. अनीता जैन ने फ़ाउण्डेशन के उद्देश्यों की जानकारी दी और बताया कि जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के सलाहकार रहे डॉ. अभिनव पण्ड्या की पुस्तक का यह तीसरा संस्करण हैं।

केन्द्रीय पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने नई दिल्ली में डॉ. अभिनव पण्ड्या की शोध पुस्तक का विमोचन किया।

बीकानेर और श्रीगंगानगर बॉर्डर पर एंटी ड्रोन सिस्टम और जैमर लगाया

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर और श्रीगंगानगर बॉर्डर पर ड्रोन से हेरोइन तस्करी को रोकने के लिए चार बीओपी पर एंटी ड्रोन सिस्टम और एक जैमर लगाया गया है। अब तस्करों को पकड़ने के लिए सड़कों पर 266 सीसीटीवी कैमरे लगाने की तैयारी की जा रही है।

बीकानेर से सटी भारत-पाक सीमा पर तीन साल में 18.53 किलो हेरोइन, 26.88 किलो अफीम, 56910 टर्माडोल, हथियार और सात संदिग्ध पकड़े जा चुके हैं। पिछले दिनों नीलकंठ बीओपी एरिया में 11 करोड़ की हेराइन मिली थी। इस मामले में छह तस्कारों को पकड़ा गया था, जिसमें तीन पंजाब के थे। हेरोइन तस्करी की ज्यादा घटनाएं अनूपगढ़ और श्रीगंगानगर बॉर्डर एरिया में हो रही हैं। इन सभी पर कड़ी निगरानी रखने और तस्करों को पकड़ने के लिए रेंज के आईजी ओमप्रकाश ने 266 सीसीटीवी कैमरे लगाने के प्रस्ताव सरकार को भेजे हैं। यह कैमरे बॉर्डर के गांवों के अलावा भारतमाला पर भी लगाए जाएंगे। इन कैमरों से दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों पर पर नजर रहेगी। वारदात होने पर उन्हें जल्दी ट्रैस कर पकड़ा जा सकेगा। हालांकि हेरोइन तस्करी रोकने के लिए चार सीमा चौकियों पर एंटी ड्रोन सिस्टम लगाया गया है। इसके अलावा एक स्थान पर जैमर भी लगाया है। पाक ड्रोन उसकी रेंज में आने के बाद बेअसर होकर नीचे गिर जाता है।

- **हेरोइन तस्करी को रोकने के लिए मददगार साबित होंगे एंटी ड्रोन सिस्टम और जैमर**

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत राजस्थान की पश्चिमी सरहद के इलाकों के रहने वाले युवा भी पाक की नापाक हरकतों को रोकने में बीएसएफ के मददगार बन रहे हैं। बॉर्डर के 5 गांवों के 80 युवाओं को प्री रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग के जरिए केंद्रीय सुरक्षा बल और केंद्रीय अर्द्ध सैनिक बलों में जाने की राह दिखाई जा रही है। इसकी जिम्मेदारी बीएसएफ में तीन बटालियनों को दी गई है। अलादीन, 33केजेडी गांव 114 बटालियन, गोकुलगढ़ 124 बटालियन, 16 केएनडी और 21 केएनडी के युवाओं को 140 बटालियन के जवान ट्रेनिंग दे रहे हैं। इस दौरान युवाओं को रोज सुबह फिजिकल एक्सरसाइज, योगासन के बाद जनरल अवेयरनेस, मेंटल एप्टिट्यूड, मैथेमेटिक्स, कंप्यूटर, इंग्लिश ग्रामर भी पढ़ाई जाती है। इनमें स्कूल, कॉलेज छात्रों के अलावा वे युवा भी हैं, जो सेना में भर्ती होने या सरकारी नौकरी पाने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। बीएसएफ बीकानेर सेक्टर के डीआईजी अजय लूथरा ने बताया कि सिविक एक्शन प्रोग्राम सालभर चलता है, जिसमें गांव के स्कूली बच्चों को अध्ययन सामग्री और खेलकूद के लिए किट दिए जाते हैं। उसी के तहत इन युवाओं को भी स्पोर्ट्स किट और स्टडी मेटेरियल दिया गया है।

राशिफल गुरूवार 17 अक्टूबर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, रेवती नक्षत्र सायं 4:20 तक, हर्षण योग रात्रि 1:42 तक, विष्टि करण प्रात: 6:48 तक, चन्द्रमा आज सायं 4:20 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मिथुन, बुध-तुला, गुरू-वृष, शुक्र-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन-रात है। भद्रा प्रात: 6:48 तक है। आज कार्तिक संक्रांति सूर्य तुला में प्रवेश प्रात: 7:42, पूण्य काल 2:07 तक है। पंचक सायं 4:20 पर समाप्त होंगे। आज सत्य व्रत, कार्तिक स्नान आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:54 तक, चर 10:47 से 12:14 तक, लाभ-अमृत 12:14 से 3:07 तक, शुभ 4:14 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:31, सूर्यास्त 5:53

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मानसिक तनाव और भय बना रहेगा।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

धनु
घर-परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

तुला
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिलेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मीन
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने म्यूनिख यात्रा में बड़ी कम्पनियों के अधिकारियों के साथ बैठकों में भाग लिया। उन्हें जर्मनी में राजस्थान के लिये निवेश आमंत्रित करने में उल्लेखनीय सफलता मिली है।

वेलनैस टूरिज़्म-एडवैंचर टूरिज़्म के लिये द्वार खोलेंगे- भजनलाल

म्यूनिख में आखिरी दिन फ्लिक्सबस कम्पनी के राजस्थान में विस्तार का एम.ओ.यू. साइन हुआ

- **जर्मनी की तीन दिन की व्यस्त व सफल यात्रा के बाद मुख्यमंत्री का प्रतिनिधिमंडल लंदन पहुँचा, जहाँ 16 से 19 अक्टूबर को बड़ी कम्पनियों, कारोबारियों व प्रवासी राजस्थानियों से सम्पर्क होगा।**
- **ऑटोमोटिव कॉम्पोनैंट कम्पनी, वेडली टेक्निकल जी.एम.बी.एच. की महाराष्ट्र में एक इकाई है। रोड शो के दौरान कम्पनी की दूसरी इकाई राजस्थान में लगाने का एम.ओ.यू. हुआ।**

म्यूनिख, 16 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने अपनी जर्मनी यात्रा के तीसरे दिन आज ट्रैवल-टैक कंपनी फ्लिक्स बस के म्यूनिख (जर्मनी) स्थित मुख्यालय का दौरा किया और इसके आला अधिकारियों से बातचीत की। फ्लिक्स बस कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ आंद्रे श्वाम्लेन, और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर मैक्स ज़्यूमर के साथ हुई इस बैठक में दोनों पक्षों के बीच राजस्थान में निवेश करने और राज्य के अंदर कंपनी के परिचालन के विस्तार हेतु एक एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किया गया।

फ्लिक्स बस परिवहन क्षेत्र की एक बड़ी कंपनी है और राजस्थान में इसका पहले से कारोबार है। इस कंपनी के साथ हुई साझेदारी का उद्देश्य राज्य में ट्रांसपोर्ट कनैक्टिविटी को बढ़ाना, परिवहन सेवाओं में सुधार करना और राज्य के आर्थिक विकास में योगदान देना है, ताकि रोजगार के नए अवसरों का निर्माण हो सके।

इस मीटिंग के साथ ही, "राइज़िंग राजस्थान" ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024, के तहत जर्मनी के निवेशकों से सीधे आउटरीच का दौर आज समाप्त हो गया और इसके बाद, राज्य सरकार का यह प्रतिनिधिमंडल अब इंग्लैंड की राजधानी लंदन के लिए रवाना हो गया है। लंदन में 16 से 19 अक्टूबर तक के प्रवास के दौरान, मुख्यमंत्री शर्मा और प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य वहां की बड़ी कंपनियों, कारोबारियों और कॉरपोरेट्स से मुलाकात करेंगे, "राइज़िंग राजस्थान" लंदन इन्वेस्टर मीट में हिस्सा लेंगे और प्रवासी राजस्थानी समुदाय से मुलाकात करेंगे।

इससे पहले, कल देर रात (म्यूनिख के समयानुसार), राजस्थान के पर्यटन क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जर्मनी के म्यूनिख शहर में "राइज़िंग राजस्थान" टूरिस्ट मीट में राज्य सरकार के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने हिस्सा लिया और मोबिलिटी, इंजीनियरिंग, कन्सल्टिंग, ऑटोमोटिव और स्वास्थ्य क्षेत्रों की प्रमुख जर्मन कंपनियों से मुलाकात की।

ऑटोमोटिव कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी वेउली टेक्निक्स जीएमबीएच के साथ बैठक के दौरान राजस्थान में इस क्षेत्र में उपलब्ध निवेश अवसरों पर बातचीत की गई।

कंपनी की महाराष्ट्र में पहले से ही एक इकाई है और कल म्यूनिख में आयोजित निवेशक रोड शो के दौरान इसने राजस्थान में अपनी दूसरी ऑटोमोटिव पार्ट्स निर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए राज्य सरकार के साथ एक एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किया है।

म्यूनिख में कल देर शाम आयोजित विशेष राइजिंग राजस्थान पर्यटन मीट में बोलते हुए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा, -किलों और महलों के अलावा राजस्थान के अंदर पर्यटन के कई नए द्वार खोले जा रहे हैं और प्रदेश के अंदर लग्ज़री रिसॉर्ट्स, इको-फ्रेंडली रिसॉर्ट्स, वेलनेस टूरिज्म और एडवैंचर टूरिज़्म जैसे पर्यटन के कई क्षेत्र में अपार अवसर हैं। हम ग्रीन टूरिज़्म को बढ़ावा दे रहे हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा, पर्यटन क्षेत्र राजस्थान की अर्थव्यवस्था के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है। ऐतिहासिक किलों और मनमोहक महलों से लेकर विशाल बाघ अभयारण्यों और वन्यजीव अभयारण्यों तक, राज्य में एक पर्यटक को मिलने वाले अनुभवों की विविधता वास्तव में असाधारण है। मैं इस अवसर पर आप सभी को 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का हिस्सा बनने और राजस्थान की विशेषताओं का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करती हूँ।

निवेशक रोड शो के दौरान राजस्थान सरकार ने एल्बट्रॉस प्रोजेक्ट्स, फ्लिक्सबस, पार्टेक्स एनवी, वेउली टेक्निक्स जी.एम.बी.एच. और इंगो श्मिट्ज़ सहित कई जर्मन फर्मों के साथ एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किया।

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के अलावा जर्मनी और इंग्लैंड के दौरे पर गए इस प्रतिनिधिमंडल में मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) शिखर अग्रवाल, राजस्थान के डिस्कॉम्स की अध्यक्ष और जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक आरती डोगरा, उद्योग विभाग और ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट्स (बीआईपी) के आयुक्त रोहित गुप्ता और राजस्थान सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

नायब सैनी हरियाणा के मुख्यमंत्री रहेंगे

पंचकूला, 16 अक्टूबर। हरियाणा में नायब सिंह सैनी ही मुख्यमंत्री बने रहेंगे। बुधवार (16 अक्टूबर) को पंचकूला में भाजपा विधायक दल की मीटिंग में उन्हें नेता चुना गया। मीटिंग में विधायक कृष्ण बेदी ने नायब सैनी के नाम का प्रस्ताव रखा। जिसका अनिल विज और आरती राव ने समर्थन किया। फिर सभी विधायकों ने नायब सैनी के नाम पर सहमति दे दी।

इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह ने नायब सैनी के सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा की। शाह ने कहा-हरियाणा की स्थापना से लेकर अब तक कोई भी पार्टी लगातार तीसरी बार सफल नहीं हुई। युवा नायब सैनी के नेतृत्व में हमारी पार्टी तीसरी बार चुनाव जीती है। शाह के साथ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी ऑब्ज़र्वर के तौर पर मौजूद रहे।

- **अमित शाह ने सर्वसम्मति से नायब सैनी के विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा की।**

इसके बाद नायब सैनी ने अमित शाह के साथ राजभवन जाकर गवर्नर बंडारू दत्तात्रेय के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया। साथ ही 3 निर्दलीय विधायकों द्वारा दिए गए समर्थन का पत्र सौंपा।

कल गुरुवार को 11 बजे पंचकूला के शालीमार ग्राउंड में शपथ ग्रहण समारोह होगा।

इसमें पी.एम. नरेंद्र मोदी समेत भाजपा और एन.डी.ए के सहयोगी दलों के शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों समेत 37 नेता मौजूद रहेंगे। हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों में से भाजपा ने 48 सीटें जीती हैं, जो उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

हरियाणा में प्रचंड बहुमत पर शाह ने पूनिया को बंधाई दी

प्रधानमंत्री शपथ ग्रहण समारोह के लिये 17 का पंचकुला आयेंगे

पंचकुला में हरियाणा भाजपा कार्यालय में पहुंचते ही गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव प्रभारी सतीश पूनिया को हरियाणा में भाजपा के प्रचंड बहुमत के लिये बधाई दी।

पंचकूला/जयपुर, 16 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हरियाणा में प्रचंड बहुमत की भाजपा सरकार बनने पर देश के गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया को भाजपा कार्यालय पंचकुला (हरियाणा) में बहुत-बहुत बधाई दी, वहीं, सतीश पूनिया ने अमित शाह का आभार जताया और उन्हें हरियाणा जीत की बधाई दी।

अमित शाह के भाजपा कार्यालय पंचकुला (हरियाणा) आगमन पर भाजपा हरियाणा प्रभारी व भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने उनका स्वागत व अभिनंदन किया और हरियाणा में प्रचंड बहुमत की भाजपा सरकार बनने की बधाई दी।

- **भाजपा के हरियाणा प्रभारी सतीश पूनिया ने कहा, यह प्रयास किये जायेंगे कि हरियाणा देश में सुशासन का रोल मॉडल बने।**

पूनिया ने पंचकुला में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि, यह चुनाव हरियाणा और देश के लिए खास था। हरियाणा के लोगों ने भाजपा को अच्छा बहुमत एवं आशीर्वाद दिया। हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे कि हरियाणा में अच्छा शासन हो, हरियाणा को अच्छी नीतियाँ दी जाएं और हरियाणा देश में सुशासन का रोल मॉडल बने। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 अक्टूबर को हरियाणा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में पंचकुला पधारेंगे, जिनको सुनने-देखने भारी संख्या में हरियाणा के कार्यकर्ता व आमजन आएंगे। ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों का सतीश पूनिया और भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने दशहरा मैदान पहुंचकर जायजा लिया।

उमर अब्दुल्लाह के शपथ ग्रहण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि कांग्रेस इस सरकार को बाहर से समर्थन दे रही है। नैशनल कॉन्फ्रेंस ने गठबन्धन में किसी प्रकार की दरार से इनकार किया है।

शपथ-ग्रहण समारोह इंडिया ब्लॉक के संयुक्त चेहरे का साथी रहा। श्रीनगर में आयोजित शपथ-ग्रहण समारोह में इंडिया ब्लॉक के अनेक नेता उपस्थित थे। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे तथा प्रियंका गांधी के अतिरिक्त, कांग्रेस के अन्य बड़े नेता भी शपथ-ग्रहण समारोह में मौजूद थे। इनके अतिरिक्त, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष तथा उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी नेता प्रकाश कारत तथा भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी नेता डी. राजा भी समारोह में शरीक हुए। सांसद कनीमोई करुणानिधि तथा सुप्रिया सुले भी समारोह में उपस्थित थे।

चूँकि केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की 90 सदस्यीय विधानसभा में मुख्यमंत्री सहित, केवल 9 मन्त्री ही हो सकते हैं, इसलिए नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कांग्रेस को एक से अधिक कैबिनेट मन्त्री देना नहीं चाहा।

हाल ही में चुनावों में, कांग्रेस बहुत बुरा प्रदर्शन करते हुए, 90-सदस्यीय विधान सभा में केवल 6 सीटें ही जीती थीं, जबकि 2014 के विधानसभा चुनावों में उसके पास 12 सीटें थीं। कांग्रेस को सन्तुष्ट करने के लिए, एन.सी. ने जम्मू-कश्मीर की 4 खाली राज्यसभा सीटों में से एक सीट कांग्रेस को प्रस्तावित की है।

जब उमर ने गठबन्धन की स्थिति के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जवाब दिया, "एन.सी. - कांग्रेस गठबन्धन के अन्दर आखिर कोई भी मुद्दा क्यों होगा? अगर कोई मुद्दा होता, तो खड़गे, राहुल तथा कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता समारोह में यहाँ नहीं आते।"

उमर ने दृढ़तापूर्वक कहा कि वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी गठबन्धन की ताकत को प्रदर्शित करती है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, "हम(मिलकर) जनता के लिए काम करेंगे।"

न्याय की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है कि अब कानून अंधा नहीं है।

दरअसल, यह सब कवायद सी.जे.आई. डी.वाय. चंद्रचूड़ ने की है। उनके निर्देशों पर न्याय की देवी में बदलाव कर दिया गया है। ऐसी ही स्टैच्यू सुप्रीम कोर्ट में जजों की लाइब्रेरी में लगाई गई है।

अचानक क्यों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होती हैं। एयरलाइन्स जिन विमानों को इस्तेमाल करती है उनका जल्दी ही दूसरा फेरा करती हैं अर्थात विमान डेस्टिनेशन पर पहुंचने के साथ ही वापसी के लिए भी तैयार हो जाता है। अगर बम की धमकी और संदेह के आधार पर इन्हें रोका जाएगा तो इनकी सेवाएं बाधित होगी।

बार-बार ऐसी कॉल्स आना इस व्यवसाय के लिए शुभ नहीं है ऐसा लगता है यह भारतीय एविएशन सैक्टर की सेवाओं को बाधित कर सकता है जो कि तेजी से बढ़ रहा है।

एयरलाइन्स नए विमान खरीद रही है ताकि तेजी से बढ़ती घरेलू मांग को पूरा कर सकें। भारत से विदेश जाने वाली उड़ानों की संख्या में भी भारी वृद्धि हुई है। सुरक्षा के मुद्दे पर भारतीय एयरलाइन्स की साख खराब करने से इनकी विस्तार की योजनाओं में अडंगा लग सकता है।

मैसूर अरबन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्टेशन पर हमला करने वाले तथा दंगे शुरू करने वाले ए.आई.एम.आई.एम. समर्थकों के विरुद्ध चल रहे मुकदमे वापस लिए जाने के बाद "तुष्टीकरण की राजनीति" का आरोप लगाते हुए सरकार के विरुद्ध अभियान तेज कर दिया है।

भाजपा इस बात पर जोर दे रही है कि इस तरह के नृशंस अपराधिक मुकदमे जो यू.पी.ए. के तहत दर्ज हैं, वापस लेना असंवैधानिक है। वहीं कांग्रेस का कहना है कि गरीबों के लिए काम करने वालों के केस ही वापस लिए गए हैं।

कांग्रेस तो आरोप लगा रही है कि भाजपा ने साम्प्रदायिक हिंसा से संबंधित वो केस वापस लिए थे, जिनमें कथित रूप से संघ परिवार से संबद्ध लोग शामिल थे।

भाजपा नेता, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने की योजना बना रहे हैं, कर्नाटक के भ्रष्ट व हिन्दू विरोधी मुख्यमन्त्री को हटाने की मांग करने के लिए।

कैनडा ने भारत पर प्रतिबंध...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जवाबी कार्यवाही करेगा। भारत भी कैनडा पर व्यापारिक प्रतिबंध लगा सकता है। इससे न केवल तनाव बढ़ेगा बल्कि द्विपक्षीय व्यापार को भारी नुकसान पहुंचेगा। इससे भारत में रह रहे कैनडियन नागरिकों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा, इससे यहां उनके लिए संभावनाए कम हो सकती है। उनके घूमने-फिरने पर रोक भी लग सकती है। कैनडा की इस तरह की कार्यवाही से भारत विकल्प के रुप में अन्य देशों से मजबूत संबंध बना सकता है। खासकर साउथ एशिया के देशों के साथ रिश्ते बेहतर कर सकता है। इससे कैनडा उन क्षेत्रों में पूरी तरह अकेला पड़ जाएगा, जहाँ भारत की अहम भूमिका है।

उल्लेखनीय है कि कैनडा को भारत पर सीमित बढ़त ही प्राप्त है क्योंकि भारत के फॉरेन डायरैक्ट इनवैस्टमैंट में कैनडा की भागीदारी मात्र 0.57 प्रतिशत ही है। इसके अलावा हाल ही में कैनडा का आर्थिक प्रदर्शन भी कमज़ोर रहा है। वर्ष 2022 की चौथी तिमाही और 2023 की तीसरी तिमाही में कैनडा की ग्रोथ कम हुई थी। इस संदर्भ में कैनडा भारत पर मजबूत प्रतिबंध नहीं लगा सकता है, अगर ऐसा किया तो कैनडा को ज्यादा नुकसान होगा, क्योंकि यह अपने ऊर्जा बाज़ार को विविधता प्रदान करना चाहता है इसके लिये ट्रेडिंग पार्टनर के रूप में कैनडा को भारत की जरूरत होगी।

प्रतिबंधों से एग्रीकल्चर के क्षेत्र में कैनडा को ऑस्ट्रेलिया से मात भी मिल सकती है। अगर भारत को कैनडियन उत्पादों को छोड़ना पड़ा तो दूसरे देशों के उत्पादों के विकल्प है। चूंकि, प्रतिबंधों की संभावना देता कैनडा को आर्थिक, कूटनीतिक व रणनीतिक स्तर पर भारी कीमत चुकानी होगी।। वर्तमान में कैनडा की जो आर्थिक स्थिति है उसे देखते हुए यह किसी भी देश द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने को बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं है।

बम की धमकी:...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एयरपोर्ट्स पर सिक्योरिटी बढ़ाई गई है।

लगातार मिल रही धमकियों के बीच केंद्र ने बुधवार को फ्लाइट्स में एयर मार्शलों की संख्या को दोगुना करने का फैसला किया है। ये विमान में सादे कपड़े में रहेंगे। इसके अलावा गृह मंत्रालय ने एविएशन मिनिस्ट्री से रिपोर्ट मांगी है।

एयरलाइंस को धमकी भरे मैसेज भेजने के मामले में बुधवार को एविएशन मिनिस्ट्री ने संसदीय समिति को जवाब दिया। मिनिस्ट्री ने कहा कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और एक्शन लिया जा रहा है। साथ ही कहा कि और ज्यादा जानकारी इकट्ठा की जा रही है और ऐसे कई मामलों पर कदम उठाया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सभी साइबर यूनिट्स को धमकी देने वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स को ट्रैक करने का निर्देश दिया गया है। इनमें से ज्यादातर अकाउंट विदेश से चल रहे हैं।

केन्द्रीय कर्मचारियों का तीन प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ा

दीपावली से पहले केन्द्र सरकार की घोषणा से केन्द्रीय कर्मचारियों को राहत मिलेगी

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। केन्द्र सरकार ने दीपावली से पहले कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत का इजाफा किया है। तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी से अब कुल महंगाई भत्ता 50 से बढ़ कर 53 प्रतिशत हो जाएगा। दीपावली से कुछ हफ़्ते पहले आज सुबह कैबिनेट की बैठक में यह फ़ैसला लिया गया। त्योहारी सीज़न के बीच केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए यह बड़ी राहत है। सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी के लिए मुआवज़ा दिया जाता है।

- **एक आकलन के अनुसार, एन्ट्री लैवल सरकारी कर्मचारी के मूल वेतन में मासिक आधार पर 540 रूपये की बढ़ोतरी की संभावना है।**

बुधवार को हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल बैठक के दौरान महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी को अपनी मंजूरी दे दी है। इस बढ़ोतरी के बाद डी.ए. मूल वेतन का 50 प्रतिशत से बढ़ कर 53 प्रतिशत हो गया है। संशोधित डी.ए 1 जुलाई 2024 से प्रभावी होगा।

मदार में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़ गई है।

उल्लेखनीय है कि, दो दिन पहले, 14 अक्टूबर को उदयपुर के आबादी इलाके से 7 किमी दूर बडी गांव में जब एक बाड़े में घुस कर पैंथर ने बछड़े को मारा तब एक महिला ने उसे शिकार करते हुए देख शोर मचाया, तो पेंथर भाग निकला। अब संभावना जताई जा रही है बडी गांव और बडगांव में मवेशियों पर हमला करने वाला पैंथर एक ही है।

नाबालिग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष के गवाह के तौर पर पीड़ित पक्ष ने आरोपों को दोहराया। अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसे प्रकरण में फंसाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा सुनाई है।

बकाया गुजारा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गलौच की। पति आए दिन उससे मारपीट करता और पीहर से रुपए लेकर आने के लिए दबाव डाला। उसने जब पति व ससुराल वालों का विरोध किया तो उसे मारपीट कर घर बाहर निकाल दिया, लेकिन घरवालों ने समझाकर उसे वापस ससुराल भेज दिया। फिर, 18 मई 2018 को, कार की मांग पूरी नहीं करने पर मारपीट कर उसे वापस निकाल दिया। प्रार्थिया ने पति से गुजारा भत्ता दिलवाए जाने के लिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र दायर कर कहा कि वह 60-70 हजार रुपए हर महीने कमाता है। इसलिए उसे भी दैनिक खर्च के लिए 20 हजार रुपए गुजारा भत्ता दिलवाया जाए। कोर्ट ने इस मामले में 10 जनवरी 2021 को आदेश जारी कर प्रार्थिया को हर महीने 8000 रुपए गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिए, लेकिन पति ने आदेश का पालन नहीं किया।

नेताओं की सुरक्षा एन.एस.जी. की जगह सी.आर.पी.एफ. के जवान करेंगे

संसद की सुरक्षा में लगे सी.आर.पी.एफ. जवानों को विशेष ट्रेनिंग के बाद वी.आई.पी. सुरक्षा में लगायेंगे

- **देश में इस समय राजनाथ सिंह, योगी आदित्यनाथ, अडवाणी, मायावती, सोनोवाल, रमन सिंह, गुलाम नबी आजाद, फारुख अब्दुल्ला और चन्द्रबाबू नायडू की सुरक्षा में एन.एस.जी. के कमांडो लगे हुए हैं।**

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। केंद्र सरकार ने बुधवार को नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एन.एस.जी.) को वी.आई.पी. सिक्योरिटी से हटाने का फैसला लिया है। इनकी जगह केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सी.आर.पी.एफ.) के जवान लेंगे। अगले महीने से आदेश लागू हो जाएगा।

पार्लियामेंट की सिक्योरिटी में लगे रिटायर्ड सी.आर.पी.एफ. जवानों को स्पेशल ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्हें वी.आई.पी. सिक्योरिटी विंग में भेजा गया है। इसके लिए नई बटालियन बनाई गई है। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद ये जवान वी.आई.पी. सुरक्षा में तैनात होंगे।

सी.आर.पी.एफ. के पास पहले से 6 वीआईपी सिक्योरिटी बटालियन मौजूद हैं। नई बटालियन के साथ ये कुल सात बटालियनें हो जाएंगी।

देश में इस समय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ समेत 9 नेता ऐसे हैं, जिनकी सिक्योरिटी एन.एस.जी. के ब्लैक कैट कमांडो करते हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, बसपा सुप्रीमो मायावती, केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम रमन सिंह, जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद, एनसी नेता फारूक अब्दुल्ला और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में एन.एस.जी. कमांडो तैनात हैं। अब इनके पास से ये कमांडो हट जाएंगे। सी.आर.पी.एफ. सिक्योरिटी विंग कमान संभालेगी। एन.एस.जी. सिक्योरिटी वाले 9 नेताओं में से राजनाथ सिंह और योगी आदित्यनाथ के पास एडवांस्ड सिक्योरिटी लाइसन (ए.एस.एल.) प्रोटोकॉल है, जिसे अगले महीने से सी.आर.पी.एफ. टेकओवर कर लेगा।

सी.आर.पी.एफ. अभी तक ए.एस.एल. का काम गृहमंत्री अमित शाह, पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, चीफ मोहन भागवत और गांधी परिवार के तीनों सदस्यों के लिए करती थी।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू कैनडा को भारत विरोधी जानकारी देता था

- **कैनडा चैनल को इन्टरव्यू में पन्नू ने स्वीकारा कि 3 साल से ट्रूडो से सम्पर्क में था।**

कनाडा, 16 अक्टूबर। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने बुधवार को कैनडा न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में कई खुलासे किए। उसने कहा कि कैनडा को भारत के खिलाफ जानकारियां दी हैं। उसका आतंकी संगठन "सिख फॉर जस्टिस" पिछले 2 से 3 सालों से कैनडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ संपर्क में है। उसने भारतीय उच्चायोग के खुफिया नेटवर्क के बारे में ट्रूडो को जानकारी दी है। पन्नू फिलहाल अमेरिका में रहता है और सिख फॉर जस्टिस नाम का संगठन चलाता है। उसके पास अमेरिका और कैनडा दोनों देशों की नागरिकता है।भारत से विवाद के बीच कैनडा की पार्टी के प्रमुख और खालिस्तान समर्थक जगमीत सिंह ने भारतीय अधिकारियों पर प्रतिबंध की मांग की है। जगमीत सिंह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था कि हम भारतीय राजनियकों पर प्रतिबंध की मांग करते हैं। जगमीत की पार्टी पिछले महीने तक कैनडा की सरकार में शामिल थी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

सरकारी नौकरी लगाने का झांसा देकर ठगी करने वाले को गुरुग्राम से पकड़ा

आरोपी ने बेरोजगार युवकों को सरकारी नौकरी लगाने का झांसा देकर ठगी की थी

जयपुर/निवाई। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने बड़ी कार्रवाई कर बेरोजगार युवकों को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर फर्जी जॉइनिंग लेटर थमा लाखों रुपए की ठगी करने वाले शातिर ठग दीपक कुमार मीणा पुत्र लल्लू राम (34) निवासी गढवास कोहरा मलावली थाना लक्ष्मणगढ़ (जिला अलवर) को गुरुग्राम से डिटेन कर लिया, जिसे बाद में अग्रिम कार्रवाई के लिए टोंक जिले की बरौनी पुलिस को सौंपा गया। आरोपी पर टोंक एसपी द्वारा 25 हजार का इनाम घोषित है।

अतिरिक्त महानिदेशक एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एमएन ने बताया कि प्रदेश में सक्रिय गैंगस्टर हार्डकोर बदमाशों एवं लंबे समय से फरार चल रहे इनामी अपराधियों की धरपकड़ एवं आसूचना संकलन के लिए उप महानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में एजीटीएफ की टीमों को प्रदेश के अलग-अलग शहरों में भेजा गया है। इसी क्रम में पुलिस उप निरीक्षक सुभाष सिंह तंवर के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा 25 हजार के इनामी दीपक मीणा को गुरुग्राम से डिटेन किया गया।

साल 2021 में परिवादी देवी शंकर कीर और विजय सिंह कीर निवासी मुख्तयार नगर थाना बरौनी टोंक ने एक रिपोर्ट थाना बरौनी पर दर्ज कराई कि दीपक कुमार मीणा, मनराज कीर व हंसराज कीर ने एफसीआई एवं भारतीय डाक विभाग में भर्ती कराने के नाम पर फर्जी जॉइनिंग लेटर देकर 10 लाख 70 हजार रुपये अपने खाते में जमा करवा ठगी की है। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर बरौनी पुलिस ने अनुसंधान के दौरान आरोपी मनराज व हंसराज निवासी मुख्त्यार नगर को गिरफ्तार कर लिया था। मुल्जिम दीपक मीणा प्रकरण दर्ज होने के बाद से ही फरार हो गया। प्रकरण दर्ज होने के बाद ही मुख्य अभियुक्त दीपक मीणा अपने निवास स्थान से फरार हो गया। फरारी के दौरान भी बेरोजगार युवकों से अपनी टीम के माध्यम से ठगी का कार्य कर रहा था। मुल्जिम दीपक बहुत ही शातिर किस्म का है। वह ना तो अपने पास मोबाइल रखता है और ना ही किसी सोशल मीडिया का प्रयोग करता है। आरोपी अपने साथी सदस्य के मोबाइल से ही सोशल मीडिया एप काम में लेता है। किसी भी टीम मेंबर को अपने साथ 10 से 15 दिन से ज्यादा नहीं रखता है। गांव से भागने के बाद मुल्जिम दीपक गुड़गांव, दिल्ली, पटना, कानपुर व अन्य शहरों में टीम के सदस्यों के साथ रहने लगा।

दीपक मीणा शातिर किस्म का बदमाश है, मुल्जिम पिछले दो साल से अपने गांव भी नहीं आ रहा था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए एसपी टोंक द्वारा 25 हजार का इनाम घोषित किया गया। एजीटीएफ टीम द्वारा इसकी गुड़गांव, दिल्ली, कानपुर व पटना में तलाश की गई। तलाश के दौरान एजीटीएफ टीम के हैड कांस्टेबल कमल डागर और हैड कांस्टेबल सुरेश कुमार को मुखबिर से सूचना मिली कि दीपक मीणा आज पालम विहार गुरुग्राम में किसी से मिलने आ रहा है। सूचना पर उच्च अधिकारियों के निर्देश पर टीम के सदस्य कमल डागर, सुरेश कुमार व चालक श्रवण कुमार गुरुग्राम पहुंचे, जहां पर दीपक मीणा अपने टीम के किसी सदस्य से मिलने आया हुआ था, जिसे डिटेन किया जाकर पुलिस थाना बरौनी को सुपुर्द किया गया।

बेरोजगार लोगों से ठगी करने के लिए इस गिरोह ने विभिन्न शहरों में नेटवर्क फैला रखा है। गिरोह के सदस्य जयपुर, दिल्ली, गुड़गांव, पटना, कानपुर व अन्य शहरों में रहकर वहां पर प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बेरोजगार व कमजोर वर्ग के छात्रों को बहला फुसलाकर कर सरकारी जॉब दिलाने के बहाने से राजी कर रुपये प्राप्त कर उन्हें फर्जी जॉइनिंग लेटर देते हैं। नौकरी ज्वाइन करने संबंधित विभाग के पास पहुंचने पर पीड़ित को ठगी का एहसास होता है। बरोनी थानाधिकारी मानवेन्द्रसिंह ने बताया कि आरोपी तीन साल से फरार था तथा पुलिस ने 25 हजार का इनाम रखा था। थानाधिकारी ने बताया कि अरोपी के दो साथी पूर्व में गिरफ्तार किए जा चुके है। पुलिस ने आरोपी मीणा को गुरूग्राम हरियाणा से गिरफ्तार किया है।

बरोनी पुलिस थाने में गिरफ्तार ठगी का आरोपी दीपक कुमार मीणा।

- आरोपी ने फर्जी जॉइनिंग लेटर देकर दो जनों से 10.70 लाख की ठगी की थी

भाबरु थाना पुलिस को लूट की झूठी सूचना देना महंगा पड़ा

पुलिस ने पिकअप चालक व उसके साथी को नकदी सहित गिरफ्तार किया

लूट की झूठी सूचना देने के मामले में दो जनों को गिरफ्तार किया।

पावटा, (निसं)। लूट की झूठी सूचना देना एक पिकअप चालक को महंगा पड़ गया। भाबरु थाना पुलिस ने चालक को गिरफ्तार करते हुए 10 लाख 52 हजार रुपये उसके पास से बरामद कर लिये।

जानकारी देते हुए कोटपूतली-बहरोड जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि भाबरु थाना पुलिस को फोन के जरिए सूचना मिली कि एक पिकअप गाड़ी चतरपुरा श्याम मंदिर के पास लावारिश हालात में खड़ी है। जिसका ड्राइवर साइड का शीशा टूटा हुआ है। जिस पर भाबरु थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गाड़ी को सुरक्षार्थ भाबरु थाना परिसर में खड़ा करवाया।

- पिकअप चालक के कब्जे से 10.52 लाख रुपये बरामद किये

इसके बाद जानकारी जुटाने पर पिकअप चालक नेमीचंद व उसके साथी कानाराम ने अपने साथ अज्ञात बदमाशों द्वारा गाडी आडी लगाकर 10 लाख 52 हजार रुपये की धनराशि व मोबाइल लूट कर ले जाना बताया।

उसके बाद पिकअप गाड़ी मालिक विजय सैनी ने अपने पिकअप चालक व उसके साथी के खिलाफ लूट की झूठी घटना की सूचना देकर धनराशि हडपने का मामला पंजीबद्ध करवाया, जिस पर त्वरित व निष्पक्ष कार्रवाई हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली नेम सिंह के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर रोहित सांखला के सुपरविजन में भाबरु थाना प्रभारी रविंद्र कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस द्वारा गहनता से अनुसंधान करते हुए मुल्जिम पिकअप चालक नेमीचंद पुत्र लच्छुराम निवासी सेपटपुरा व कानाराम पुत्र बाबूलाल निवासी बरवाड़ा को गिरफ्तार कर मालिक के हड़प की गई राशि बरामद कर मुल्जिमों को न्यायालय मे पेश कर सब जेल कोटपुतली भिजवाया गया।

हादसों में दो जनों की मौत

निवाई, (निसं)। बरोनी थानान्तर्गत गांव कीरों की ढाणी चिरोंज के पास एक कार चालक ने एक बाइक के टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार घायल हो गया। बरोनी थानाधिकारी मानवेन्द्रसिंह ने बताया कि मंगलवार की शाम करीब सात बजे सूरजमल वर्मा पुत्र गजानद वर्मा निवासी चिरोंज अपने खेत से कार्य करके मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने घर आ रहा था। इसी दौरान कीरों की ढाणी के पास पीछे से आ रही कार के चालक ने तेज गति एवं लापरवाही से चलाकर उसकी बाइक के टक्कर मार दी जिससे वह घायल हो गया। घायल को 108 एंबुलेंस से सआदत अस्पताल टोंक में भर्ती करवाया। इलाज के दौरान बुधवार को उसने दम तोड़ दिया। वहीं बरोनी थाना क्षेत्र के सिरस रेलवे स्टेशन और नला गांव के बीच स्थित पोल संख्या 52/17 के सामने ट्रेन आगे आकर युवक धनराज बैरवा पुत्र मनोहर लाल बैरवा निवासी थाना बरोनी ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

अनुसंधान में पर्याप्त साक्ष्य एकत्रित नहीं, छेड़छाड़ का आरोपी दोषमुक्त

जालोर, (कासं)। पॉक्सो न्यायालय जालोर के विशिष्ट न्यायाधीश भूपेन्द्र कुमार सनाढ्य ने बुधवार को एक नाबालिग के साथ छेड़छाड़ करने अश्लील वीडियो वायरल करने के आरोपी को अनुसंधान अधिकारी द्वारा पर्याप्त साक्ष्य एकत्रित नहीं करने से दोष मुक्ति किया गया। वहीं न्यायाधीश ने एक पीड़िता को अनुसंधान अधिकारी अजीतपालसिंह की लापरवाही के चलते न्याय नही मिलने से आईजी जयपुर को निर्देशित किया कि अनुसंधान अधिकारी को साईबर अपराध की जानकारी दी जाये।

प्रकरण के अनुसार पीड़िता की माता ने 2 मई 2024 को रामसीन पुलिस थाना में रिपोर्ट देकर बताया कि उसकी पुत्री की इंस्टाग्राम आईडी पर बार बार मैसेज आने पर उसकी पुत्री ने उसे लड़की समझकर मित्रता कर इंस्टाग्राम पर मैसेज के जरिये बाते करने लगी। करीब तीन माह पूर्व उसकी पुत्री किराणा का सामान लेने गई हुई थी उस दौरान तीन व्यक्ति मुँह पर नकाब पहनकर तीन मोटरसाइकिल लेकर आये तथा उसकी पुत्री को कोई सुंधाकर अपहरण कर सुनसान जगह लेकर गये। वहां उसे डरा-धमका कर उसके अश्लील व आपत्तिजनक विडियो बनाये। इसके बाद अश्लील विडियो वायरल इंस्टाग्राम व यूट्यूब पर वायरल करने की धमकियां देकर छेड़छाड़ करने लगे। अभियुक्त ने उसकी लड़की के अश्लील वीडियो अन्य लोगों की आईडी पर वायरल कर उसे बदनाम कर दिया। वहीं अभियुक्त और अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बना रहा है। साथ ही अश्लील फोटो व वीडियो डिलीट करने के एवज में पच्चीस हजार रूपये भी मांग रहा हैं। उक्त रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर बाद अनुसंधान आरोप न्यायालय में प्रस्तुत किया।

पॉक्सो न्यायालय जालोर के न्यायाधीश भूपेन्द्र कुमार सनाढ्य ने अनुसंधान अधिकारी अजितपालसिंह द्वारा इंस्टाग्राम आईडी के बारे में अनुसंधान नहीं करने से अश्लील वीडियो की बात अभियोजन पक्ष न्यायालय के समक्ष नहीं रख सका। जिसका लाभ अभियुक्त को मिलने पर अभियुक्त को दोषमुक्ति किया गया। वहीं अनुसंधान अधिकारी द्वारा सही अनुसंधान नहीं कर पर्याप्त साक्ष्य पत्रावली में नहीं रखने से अभियुक्त को लाभ मिला। इसके लिए न्यायाधीष ने पुलिस महानिदेशक जयपुर को निर्णय की प्रति इस निर्देश के साथ भेजी कि अनुसंधान अधिकारी अजितपालसिंह को साईबर अपराधों से संबंधित प्रकरणों के अनुसंधान के लिए राजस्थान पुलिस एकेडमी या अन्य किसी संस्थान में भिजवाया जाये। ताकि वह यह समझ पाये कि साईबर अपराधों के संबंध में किस प्रकार से प्रभावी अनुसंधान किया जाता है।

- न्यायाधीश ने अनुसंधान अधिकारी को साईबर जानकारी कराने को लेकर आईजी को निर्देश दिये

लेपर्ड ने छह जनों को घायल किया

टोंक, (निसं)। एक खूंखार लेपर्ड (बघेरा) का कहर देखने को मिला। इस दौरान एक लेपर्ड ने खेत में काम कर रहे लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में आधा दर्जन लोग घायल हो गए। मंगलवार शाम खेत में काम कर रही युवती पर लेपर्ड (बघेरा) ने हमला कर दिया, इस बीच आसपास काम कर रहे लोग उसे बचाने दौड़े, तो लेपर्ड ने उन पर भी हमला कर दिया। फिलहाल दो घायलों को टोंक जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। सनसनी फैला देने वाला यह मामला जिले के देवली उपखंड के चांदसिंहपुरा पंचायत के ठिकरिया कला गांव का है।

कार्यालय नगर परिषद् जैसलमेर (राज.)

क्रमांक :- विद्युत/2024-25/81 दिनांक :- 15/10/2024

निविदा सूचना विद्युत/2024-25/04 NIB Code : DLB2425A3381

नगर परिषद् जैसलमेर की ओर से आपूर्तिकर्त्ता फर्म व नगर परिषद् जैसलमेर में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से विभिन्न आपूर्ति कार्यो हेतु ऑफलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। ऑनलाइन ई-निविदा से संबंधित कार्य की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्तें आदि वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

उक्त कार्य के UBN No. DLB2425A3381

आयुक्त
नगर परिषद जैसलमेर

राज.संवाद/सी/24/6623

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, चंवली परियोजना नहर खण्ड झालावाड

क्रमांक-/निविदा2024-25/लेखा प्रथम/1637-52 दिनांक-10.10.2024

ई-निविदा सूचना संख्या 02 वर्ष 2024-25

इस कार्यालय में राजस्थान के राज्यपाल की ओर से बांध एवं नहर के मरम्मत कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निवदा से संबंधित समस्त विवरण वैब साईट www.dipronlne.rajasthan.gov.in, www.waterresources.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगा।

1. WRD2425WSOB00842, 2. WRD2425WSOB00843, 3. WRD2425WSOB00844, 4. WRD2425WSOB00845, 5. WRD2425WSOB00846, 6. WRD2425WSOB00847, 7. WRD2425WSOB00848

(वीरेन्द्र सिंह)
चंवली परियोजना नहर खण्ड
झालावाड़ (राज.)

DIPR/C/9905/2024

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV.I JAISALMER

No. EE/JSM-I/24-25/1278 Date: 10.10.2024

NOTICE INVITING BID
Short Term NIT No. 10 Year 2024-25

Bids for Various Building Mtc and Construction work are invited from interested bidders 14.10.2024 to 21.10.2024 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, htpp://sppp.raj.nic.in) of the state, and https://pwd.rajasthan.gov.in. The approcimate value of the procurement is Rs 158.28 Lacs

NIB No. - PWD2425A2094
UBN No- 1. PWD2425WSOB07695, 2. PWD2425WSOB 07697,
3. PWD2425WSOB 07700, 4. PWD2425WSOB 07702
5. PWD2425WSOB 07705, 6. PWD2425WSOB 07707
7. PWD2425WSOB 07710

(Bhakar Ram)
Executive Engineer
PWD Div.I Jaisalmer

DIPR/C/9888/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जिला खण्ड जैसलमेर

क्रमांक/अधि.अभि./निविदा/जैसल/2024-25/1522-32 दिनांक- 09.10.2024

बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 6/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से जन स्वा. अभि. विभाग राजस्थान के अन्तर्गत इस खण्ड के अधीन विभिन्न सिविल एवं अन्य कार्यो हेतु अनुमानित लागत रु. 29.77 लाख के कुल 1 कार्य हेतु राजस्थान सरकार के अधीन पंजीकरण नियमों के तहत उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदाएं दिनांक 22.10.2024 सायं 06.00 बजे तक डॉउनलोड की जाकर दिनांक 23.10.2024 को सायं 1.00 बजे बिड शुल्क, ई-प्रक्रिया शूल्क, धरोहर राशि का चालान भौतिक रूप से इस कार्यालय में जमा कर उसी दिनांक 3.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निविदा से संबंधित विवरण DIPR की वेबसाइट WWW.dipronline.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। निविदा संख्या 6/2024-25 का विभागीय वेबसाइट www.sppp.raj.nic.in से प्राप्त NIB NO-PHE2425A2431 निम्न प्रकार से है UBN NO. PHE2425WSOB05291

(प्रेम राम) अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग
जिला खण्ड-जैसलमेर

DIPR/C/9872/2024

500 किलो संदिग्ध मावा जप्त किया

भीलवाड़ा, (निसं)। "शुद्ध आहार मिलावट पर वार" अभियान के तहत भीलवाड़ा खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कार्रवाई को अंजाम देते हुए 500 किलो संदिग्ध मावा जब्त किया है।

- मावे का सैंपल लेते हुए जांच के लिए अजमेर भिजवाया

सीएमएचओ डॉ. सीपी गोस्वामी ने बताया कि खाद्य निरीक्षक टीम द्वारा शहर में स्थित रामा स्वीट्स पर आकस्मिक जांच की गई जिसमें मौके पर बड़ी मात्रा में संदिग्ध मावा मिला। मावे का सैंपल लेते हुए जांच के लिए अजमेर भिजवाया गया हैं वहीं टीम ने मावा जब्त कर अठिाम कार्यवाही को अंजाम दिया। शहर के दीपावली पर्व को लेकर नकली और मिलावटी मावे की खपत बढ़ने की शिकायतें लगातार सामने आने के बाद स्वास्थ विभाग ने अभियान की शुरुआत की है। 500 किलो मावा जप्ती की कार्यवाही के बाद मिलावटखोर मिठाई व्यवसायियों में दहशत का माहौल है।

भीलवाड़ा में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने संदिग्ध मावा जप्त किया।

कोचिंग के वॉशरूम में सफाईकर्मी ने कैमरा लगाया

कोटा, (निसं)। शहर के कैथूनीपोल थाना इलाके के एक कोचिंग संस्थान के टॉयलेट में छिपाकर मोबाइल कैमरे से लड़कियों के वीडियो रिकॉर्ड करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने कई गर्ल्स के वीडियो भी इस दौरान रिकॉर्ड कर लिए। मंगलवार को इस मामले का खुलासा हुआ। इसके बाद कोचिंग संस्थान ने पुलिस को सूचना दी।

कोटा सिटी एसपी डॉ. अमृता दुहन का कहना है कि आरोपी कोचिंग संस्थान में सफाईकर्मी है। इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। उसके मोबाइल में कुछ वीडियो भी मिले हैं। पुलिस उप अधीक्षक तृतीय राजेश कुमार टेलर का कहना है कि आरोपी से फिलहाल पूछताछ की जा रही है। आरोपी मोबाइल को कब से वॉशरूम में जाकर रख रहा था यह भी जांच का विषय है। प्रारंभिक तौर पर यह सामने आया है कि वह दो-तीन दिन से मोबाइल वॉशरूम में रख रहा था।

इस संबंध में फॉरेंसिक जांच करवाई जाएगी जिससे साफ होगा कि मोबाइल में रिकॉर्डिंग कब से की जा रही थी। कोई वीडियो वायरल हुआ है या नहीं। इस पर डीएसपी टेलर का कहना है कि फिलहाल ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है। उसके मोबाइल में कुछ वीडियो जरुर मिले हैं। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

जांच कमेटी ने रिश्वतकांड मामले में डॉ. महेश बैरवा को राहत देने की कोशिश की

शिकायतकर्ता का आरोप है कि विभाग ने दोनों घूसखोर डॉक्टरों को बचाने के लिए भरसक प्रयास किए

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के सबसे बड़े महात्मा गांधी चिकित्सालय में गत दिनों डॉक्टर महेश बैरवा और डॉक्टर दिनेश बैरवा के द्वारा चलाए जा रहे इलाज के नाम पर अवैध वसूली और रिश्वतखोरी के रैकेट का खुलासा होने के बाद चिकित्सा विभाग में हड़कंप मच गया।

शिकायतकर्ता यश कुमार सिंधी का आरोप है कि विभाग ने दोनों घूसखोर डॉक्टरों को बचाने के लिए भरसक प्रयास किए और इसी का नतीजा है कि जांच कमेटी में शामिल डॉ. दिनेश बैरवा, डॉ. वीरेंद्र शर्मा और अन्य डॉक्टरों की टीम ने रिश्वत कांड को अंजाम देने वाले मुख्य डॉक्टर महेश बैरवा को मेडिकल परिस्थितियों का हवाला देते हुए सही ठहराते हुए राहत देने की कोशिश की है। हालांकि पीड़ित शिकायतकर्ता यश कुमार सिंधी ने जांच कमेटी की रिपोर्ट पर सवाल खड़े किए थे, उसके बावजूद मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल ने कमेटी की रिपोर्ट को सही मानते हुए अपने डॉक्टर महेश बैरवा को बचाने के लिए सही गलत का फर्क किए बिना ही सारे आरोपों को झुठला दिया।

जानकारी के अनुसार गत दिनों मांडलगढ़ निवासी शिकायतकर्ता यश कुमार सिंधी ने अपने पिता मुरलीधर सिंधी के पैर के ऑपरेशन के नाम पर 28 हजार रुपए की मांग करने की शिकायत डॉक्टर महेश बैरवा के खिलाफ दर्ज करवाई थी। शिकायत दर्ज करने के बाद मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर वर्षा सिंह ने डॉक्टर दिनेश बैरवा, डॉक्टर वीरेंद्र शर्मा और एक अन्य डॉक्टर को शामिल कर तीन सदस्य जांच कमेटी का गठन किया।

डॉक्टर महेश बैरवा।

टीम में शामिल सदस्य द्वारा ही पीड़ित को धमकाए जाने की शिकायत भी सामने आई, लेकिन विभाग ने जांच के नाम पर लीपापोती करने की नीयत से धमकी देने वाली कमेटी की जांच को ही सही मान लिया और पीड़ित के पक्ष को सुनना भी जरूरी नहीं समझा। पीड़ित ने लिखित बयानों में न सिर्फ डॉक्टर महेश बैरवा के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए बल्कि टीम में शामिल डॉक्टर दिनेश बैरवा पर भी सवाल खड़े किए थे, लेकिन विभाग ने आरोपों को दरकिनार करते हुए अपने डॉक्टर बैरवा ब्रदर्स को बचाने के लिए मेडिकल परिस्थितियों का हवाला देते हुए जांच के नाम पर लीपापोती कर ली।

अब इस मामले में एक और जहां पीड़ित यश कुमार सिंधी ने तथ्यों और सबूतों के आधार पर कानूनी प्रक्रिया अपनाने की शुरुआत कर दी है तो वहीं दूसरी ओर एक और अन्य पीड़ित आफताब मुल्तानी ने लिखित में कलेक्टर नमित मेहता, प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज डॉ. वर्षा सिंह और पीएमओ एमजी हॉस्पिटल डॉ. अरुण गौड़ को डॉक्टर महेश बैरवा के खिलाफ शिकायत देकर विभाग की नींद उड़ा दी है। जिस घूसखोर डॉक्टर को बचाने के लिए विभाग जोर लगा रहा था, उसके खिलाफ लगातार मामले सामने आ रहे हैं, लगातार घूसखोर डॉक्टर बैरवा के खिलाफ शिकायतें आने के बावजूद डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा के नाम का बेजा इस्तेमाल करने वाले डॉ. बैरवा ब्रदर्स के खिलाफ कार्यवाही करने से करता रहा विभाग उल्टा उन्हें बचाने में जुटा हुआ है। अब मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल वर्षा सिंह आफताब की शिकायत पर दोबारा जांच कमेटी का गठन करने की बात कर रही है।

- आरोप है कि डॉक्टर महेश बैरवा को मेडिकल परिस्थितियों का हवाला देते हुए सही ठहराते हुए राहत देने की कोशिश की
- मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल ने कमेटी की रिपोर्ट को सही मानते हुए डॉक्टर महेश बैरवा को बचाने के लिए सारे आरोपों को झुठला दिया

UNIVERSITY OF RAJASTHAN, JAIPUR
DEPARTMENT OF PHYSICS

TENDER NOTICE

Offline Technical and Financial Bids are invited up to 22nd October 2024 at 3:00 pm for the provision of food and beverages for the International Conference ICMTP-2024 to be held from 21st November to 23rd November 2024 in the Department of Physics, University of Rajasthan, Jaipur, under the RUSA 2.0 project 6.0. The details of the tender can be viewed and downloaded in the Bidding Document available at our office or on the website: http://sppp.rajasthan.gov.in and www.uniraj.ac.in.

NIB No.: URA2425A0042, UBN No.: URA2425SSOB00125

Dr. Sarita Kumari
Convener ICMTP-2024

Prof. Mangej Singh
Chairperson ICMTP-2024

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001

दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no.0294-2426262 वेबसाइट- www-udaipurmc.org

क्रमांक : एस.के./2024-25/2003 दिनांक :- 01.10.2024

(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई-10/2024-25

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा व्हील बेरोज सप्लाई कार्य सप्लाई कार्य की वार्षिक दर संविदा हेतु कुल राशि रु0 22.67 लाख के कार्य हेतु MSME में पंजीकृत निविदाकारो से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 09.10.24 एवं अंतिम तिथि 21.10.24 तथा निविदा खुलने की तिथी 22.10.24 रहेगी। निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है।

UBN No. UNP2425GLOB00119

आयुक्त
नगर निगम, उदयपुर

राज.संवाद/सी/24/6522

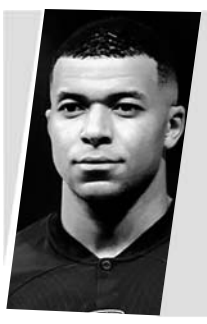

ये आरोप बिल्कुल झूठे और गैर जिम्मेदाराना है। मैं अपनी प्रतिष्ठा और सम्मान पर किसी तरह की आंच आना बर्दाश्त नहीं करूंगा।
-काइलियान एमबाप्पे

फ्रांस के फुटबॉल स्टार, बलात्कार के मामले की जांच को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

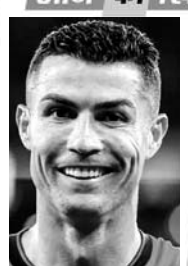

क्रिस्टियानो रोनाल्डो

स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो गोल नहीं कर सके और पुर्तगाल ने नेशंस लीग में स्कॉटलैंड से गोलरहित ड्रॉ खेला। पुर्तगाल ने क्रोएशिया, स्कॉटलैंड और पोलैंड से पहले तीन मैच जीते थे लेकिन ग्लासगो में तीसरे मैच में गोल करने में नाकाम रही। अब तक 133 अंतरराष्ट्रीय गोल कर चुके रोनाल्डो के पास कई मौके आये लेकिन वह उन्हें भुना नहीं सके। पुर्तगाल इस ड्रॉ के बावजूद ग्रुप एवन में शीर्ष पर है जबकि क्रोएशिया दूसरे स्थान पर है। वहीं स्पेन ने सर्बिया को 3.0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। क्रोएशिया ने पोलैंड से 3.3 से ड्रॉ खेला।

क्या आप जानते हैं ?... एक टैस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाए।

बारिश की भेंट चढ़ा पहले दिन का खेल, बेंगलुरु में टॉस तक भी नहीं हो सका

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार 16 अक्टूबर से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज हो गया है। लेकिन बारिश के कारण बेंगलुरु के एम ए चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले टेस्ट का पहला दिन बाधित हो गया। यहां टॉस तक भी नहीं हो पाया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 चक्र का हिस्सा है।मौसम विभाग ने पूरे दिन बारिश की भविष्यवाणी की है, जिसके कारण भारतीय खिलाड़ी खुद को एक्टिव रहने के लिए इनडोर नेट्स में प्रैक्टिस कर रहे हैं। भारतीय टीम के खिलाड़ी विराट कोहली यशस्वी जायसवाल मैदान पर नजर आए थे। हालांकि, रिपोर्ट के मुताबिक वह अपने किट के साथ इंडोर नेट्स में गए और कुछ समय बिताया। लंच के बाद भी बारिश होने के कारण पहले दिन का खेल रद्द करनापड़ा। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान दूसरे टेस्ट मैच में भी बारिश के कारण मैच तय नहीं हो सका। हालांकि, पहले दिन टॉस हुआ था और कुछ ओवर का मैच हुआ था लेकिन फिर दो दिन तक बारिश की वजह से खेल नहीं हो सकता था। लेकिन अंतिम दो दिन में भारत ने दमदार प्रदर्शन करते हुए मैच अपने नाम किया था।

अखिल श्योरण ने राईफल थ्री विश्वकप में कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। अखिल श्योरण ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में चल रही आईएसएसएफ विश्वकप फाइनल 2024 में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन निशानेबाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीत लिया। 29 वर्षीय भारतीय निशानेबाज पिछले साल एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम का हिस्सा थे। नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग पोजीशन में 452.6 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। यह आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में अखिल श्योरण का पहला पदक था। हंगरी के इस्तवान पेनी (465.3) और चेकिया के जिरी प्रिवरात्स्की (464.2) ने क्रमश: स्वर्ण और रजत पदक हासिल जीते। भारत के चैन सिंह क्वालीफाइंग राउंड में 590-32 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। वह अखिल श्योरण से दो स्थान आगे थे। अखिल ने 589-35 का स्कोर किया था। क्वालीफाइंग राउंड के शीर्ष आठ निशानेबाजों ने फाइनल में जगह बनाई। मौजूदा विश्व चैंपियन ऑस्ट्रिया के एलेक्जेंडर श्मिर्ल ने क्वालीफाइंग राउंड में कुल 593-37 के साथ बढ़त हासिल की लेकिन फाइनल में 419.2 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहे। आईएसएसएफ विश्व कप में यह भारत का दूसरा पदक है।

पाकिस्तान ने इंग्लैंड के 239 पर छह विकेट गिराकर मैच पर बनाई पकड़

मुल्तान, 16 अक्टूबर। पाकिस्तान ने साजिद खान (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन बुधवार को इंग्लैंड के 239 रन पर छह विकेट गिराकर मैच पर अपनी पकड़ बना ली हैं।

पाकिस्तान के 366 के स्कोर के जवाब में इंग्लैंड ने सलामी बल्लेबाज बेन डकेट (114) के शानदार शतक की मदद से छह विकेट पर 239 बना लिए। इंग्लैंड अभी भी पाकिस्तान से 127 रन पीछे हैं। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों के पहले विकेट के लिए 73 रनों की साझेदारी कर अच्छी शुरुआत की। 13वें ओवर में नौमन अली में जैक क्रॉली को रिजवान के हाथों कैच आउट कराकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। क्रॉली ने 27 रन बनाए। नये बल्लेबाज ऑली पोप को साजिद खान ने बोल्ड आउट कर पाकिस्तान को दूसरी सफलता दिलाई। उस समय इंग्लैंड का स्कोर 125 रन था। पोप ने 29 रन बनाए।

इसके बाद तीसरे विकेट के लिए बेन डकेट और जो रुट ने धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी करते हुए टीम के स्कोर को 211 रनों तक पहुंचाया जहां साजिद ने रुट (34) को बोल्ड कर टीम को तीसरी सफलता दिलाई। स्कोर बोर्ड पर अभी 13 रन और जुडे ही थे कि डकेट (114) को साजिद ने सलमान के हाथों कैच आउट कराकर टीम को चौथी सफलता दिलाई।

इसी ओवर की आखिरी गेंद पर साजिद ने पहले टेस्ट में मुल्तान के नये सुल्तान बने हैरी ब्रूक (नौ) रन पर बोल्ड आउट कर इंग्लैंड को पांचवा झटका दे दिया। नौमन अली ने अगले ही ओवर में कप्तान बेन स्टोक्स को शफीक के हाथों कैच आउट करा इंग्लैंड को संकट में डाल दिया। स्टोक्स (एक) रन बनाया। दिन का खेल समाप्ति के समय जेमी स्मिथ नाबाद (12) तथा ब्राइडन कार्स दो रन पर नाबाद रहे।

आईओए हमारे सुझावों पर ध्यान नहीं देता : मैरीकॉम

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के खिलाड़ी आयोग की अध्यक्ष महान मुक्केबाज एमसी मैरीकोम ने कहा है कि उन्होंने राष्ट्रीय ओलंपिक समिति को सुझाव देना बंद कर दिया है क्योंकि उनकी बातों पर ध्यान

भारत के बिना चैम्पियंस ट्रॉफी के आयोजन का कोई विकल्प नहीं : ईसीबी

लंदन, 16 अक्टूबर। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी)के मुख्य कार्यकारी और अध्यक्ष रिचर्ड गोल्ड और रिचर्ड थॉम्पसन ने बुधवार को कहा कि भारत की भागीदारी के बिना चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन कोई विकल्प नहीं है।

थॉम्पसन ने कहा, भारत का चैंपियंस ट्रॉफी में न खेलना क्रिकेट के हित में नहीं होगा। यह देखना दिलचस्प है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल के पूर्व सचिव और अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के प्रमुख जय शाह का इसमें बड़ा रोल रहने वाला है। वहां जमीनी राजनीति है और फिर क्रिकेट संबंधी जमीनी राजनीति है। मुझे लगता है कि वे कोई रास्ता निकाल लेंगे। उन्हें कोई रास्ता ढूंढना होगा।

उन्होंने कहा, जब ये दोनों देश एक-दूसरे के साथ खेलते हैं तो दुनिया के इस हिस्से में हमेशा सुरक्षा संबंधी चिंताएं बनी रहती हैं। संभवत: यही महत्वपूर्ण निर्णयों को संचालित करेगा। लेकिन मुझे पता है कि दोनों देशों के बीच रिश्ते इस समय उतने ही सौहार्दपूर्ण हैं। हमने इसे न्यूयॉर्क में पुरुष टी-20 विश्वकप में देखा था। गोल्ड और थॉम्पसन दुबई में आगामी आईसीसी बैठकों से पहले पाकिस्तान में हैं और इंग्लैंड के दूसरे टेस्ट मैच के दौरान मुल्तान में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों से मुलाकात कर रहे हैं। गोल्ड ने कहा कि राजस्व स्त्रोत के रूप में प्रसारण अधिकारों पर क्रिकेट की निर्भरता ने सुनिश्चित किया कि भारत और पाकिस्तान दोनों इसमें शामिल होंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के ड्रेसिंग रूम में भारत का नाम लिया तो लग जाएगा बैन : हारिस

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। राजनीति और क्रिकेट मैदान पर भारत और पाकिस्तान एक दूसरे के कड़े प्रतिद्वंद्वी हैं। भारत फैंस पाकिस्तान के खिलाफ हार बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं तो वहीं पाकिस्तान फैंस के लिए भारत के खिलाफ जीत दर्ज करना बहुत बड़ी बात हो जाती है। पाकिस्तान ए के कप्तान मोहम्मद हारिस ने बताया कि उनके टीम के ड्रेसिंग रूप में भारत का नाम लेना बैन है।एमर्जिंग एशिया कप में पाकिस्तान ए की कप्तान मोहम्मद हारिस के कंधों पर है। उनकी टीम 19 अक्टूबर को भारत का सामना करेगी। मैच से पहले टीम के कप्तान ने बताया कि उनके ड्रेसिंग रूप में इंडिया के बारे में बात करने पर बैन है।

43 साल बाद पर्थ में होगा ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच 2025-26 एशेज सीरीज के शेड्यूल की घोषणा हो गई है। 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच 21 से 25 नवंबर 2025 के बीच पर्थ में खेला जाएगा। 43 साल बाद पर्थ स्टेडियम में एशेज सीरीज का पहला मैच होगा। पर्थ में इंग्लैंड की टीम 1978 के बाद टेस्ट मैच नहीं जीती है। पर्थ स्टेडियम में वह एक भी मैच नहीं खेली है। ब्रिस्बेन के गाबा में 4-8 दिसंबर के बीच डे नाइट टेस्ट खेला जाएगा। एशेज में पहली बार पिंक बॉल टेस्ट होगा। क्रिसमस से पहले का टेस्ट मैच 17 से 21 दिसंबर के बीच एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। बॉक्सिंग डे टेस्ट मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में 26 से 30 दिसंबर के बीच खेला जाएगा।

नीतू आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल

दुबई, 16 अक्टूबर। भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ी नीतू डेविड को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। 100 से अधिक मैच खेलने वाली स्पिनर नीतू डेविड 2023 में डायना एडुल्जी के बाद आईसीसी हॉल ऑफ फेम में जगह बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला हैं। उन्होंने 141 विकेट के साथ महिला एकदिवसीय क्रिकेट में भारत के लिए दूसरी सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। और 100 एकदिवसीय विकेट लेने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी भी हैं। नीतू ने 1995 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट पारी में 8/53 का बनाया रिकार्ड अभी भी उनके नाम है। हाल ही में उन्होंने भारत की महिला चयन अध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण ऑफ-फील्ड पद संभालकर क्रिकेट टीम से जुड़ी हुई है।

राजधानी

200 फीट अजमेर रोड से 14 नंबर सीकर रोड तक सभी अंडरपास की चौड़ाई बढ़ाने की कवायद शुरू

जयपुर। राजधानी जयपुर में 200 फीट अजमेर रोड से लेकर 14 नंबर सीकर रोड तक सभी अंडरपास की चौडाई बढ़ाने की कवायद शुरू हो गयी है। जयपुर विकास आयुक्त आनंदी ने बुधवार को इस संबंध में जेडीए और एनएचएआई के अधिकारियों की बैठक लेकर चर्चा की।

आनंदी ने बताया कि जयपुर की सड़कों पर बढ़ते यातायात दबाव और सड़कों पर जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए अजमेर रोड 200 फीट पुलिया से लेकर सीकर रोड 14 नंबर तक के सभी अंडरपास की चौडाई बढ़ायी जायेगी।

एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने बताया कि सभी अंडरपास पर पी.सी.सी. का कार्य करवाया जा रहा है, एनएचएआई द्वारा सभी अंडरपास की चौडाई बढ़ाने की कार्ययोजना तैयार की जा रही है, इससे आमजन को यातायात दबाव की समस्या से निजात मिलेगी।

बैठक में अजमेर रोड और सीकर रोड पर जल भराव से उत्पन्न समस्याओं के निराकरण पर चर्चा की गई। अधिकारियोंने बताया कि 200 फीट अजमेर रोड से 14 नम्बर सीकर रोड तक सर्विस रोड पर और पुलियाओं के नीचे पानी भराव की समस्या रहती है। इस पर एन.एच.ए.आई. अधिकारियों ने बताया कि सीकर रोड (200 फीट अजमेर रोड से 14 नम्बर वीकेआई तक) और अजमेर रोड (कमला नेहरू नगर पुलिया से भांकरोटा तक) पर ड्रेनेज को रि-डिजाईन किया जायेगा, जिसके लिए आउटफॉल जेडीए द्वारा उपलब्ध करवाया जायेगा।

जयपुर विकास आयुक्त आनंदी ने जे.डी.ए. और एन.एच.ए.आई. के अधिकारियों की बैठक ली।

जे.डी.ए. कमिश्नर ने आगरा रोड और अजमेर रोड पर एन.एच.ए.आई. द्वारा निर्माणाधीन क्लोवर लीफ व अन्य कार्यो के लिए जेडीए द्वारा उपलब्ध करवाई जाने वाली भूमि के संबंध में दोनों विभागों के अधिकारियों को संयुक्त दौरा कर शीघ्र समाधान निकालने के लिए कहा।

जेडीए कमिश्नर आनंदी ने बताया कि 200 फीट बाईपास चौराहे पर एनएचएआई द्वारा दो अण्डरपास एवं दो फ्लाईओवर का निर्माण कार्य जनवरी 2025 तक प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित है, इसके लिए जेडीए स्वामित्व और अन्य स्वामित्व की 3 हैक्टेयर भूमि की जरूरत होगी।

बैठक में एनएचएआई के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि पूर्व में नॉर्थन रिंग रोड परियोजना के लिए जो भूमि अधिग्रहित की गई थी, उसे निरस्त कर दिया गया है। इसके लिए 92 किलोमीटर का नया प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

बैठक में जेडीए सचिव, निदेशक अभियांत्रिकी प्रथम एवं द्वितीय, निदेशक आयोजना, अतिरिक्त आयुक्त (पूर्व), संबंधित उपायुक्त, एनएचएआई प्रोजेक्ट डॉयरेक्टर, जेडीए एवं एनएचएआई के अधिकारीगण सहित संबंधित अधिकारीउपस्थित रहे।

अब राजस्थान उपचुनावों में भी जनता भाजपा के साथ : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विधानसभा उपचुनावों की सभी 7 सीटों पर जीत का दावा करते हुए कहा कि हरियाणा के साथ कश्मीर में भी भाजपा को जनता का आशीर्वाद मिला है। ऐसे में उपचुनावों में भी प्रदेश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कार्यों और योजनाओं के आधार पर भाजपा प्रत्याशी को भारी मतों से जीताकर विधानसभा भेजेगी। विपक्षी पार्टी ने विधानसभा चुनावों में भ्रम फैलाने का काम किया था लेकिन जनता के आशीर्वाद से भाजपा ने विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करवाई, अब उपचुनावों में भी सभी 7 सीटों पर भाजपा प्रत्याशी जीतेंगे।

मदन राठौड़ ने कहा कि प्रदेश की जनता ने 5 साल तक होटल और रिसोर्ट से चलने वाली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल को देखा है, कुर्सी बचाने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नकारा, निकम्मा जैसे अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहे थे। लेकिन अब प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार जनता के लिए

> **'राजस्थान की जनता ने 5 साल तक झेली होटल वाली सरकार, प्रदेश में अब भजनलाल सरकार, जिसका जनता से सरोकार'**

काम कर रही है और जनता के सरोकार से जुड़ी है। राजस्थान के युवाओं के सपने साकार करने के लिए एक ओर भर्ती कैलेंडर जारी किया जा रहा है, तो दूसरी ओर राइजिंग राजस्थान के माध्यम से रोजगार लाने के लिए निवेशकों से एमओयू किए जा रहे है। इसकी बानगी राजस्थान में फिल्म सिटी के लिए एमओयू और फिर जमीन आवंटन की कार्यशैली को देखा जा सकता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कहा कि भाजपा उपचुनावों में सरकार के विकास के कार्यों को लेकर जनता के बीच जाएगी और कांग्रेस से सीटें छीनने के साथ सभी सीटों पर जीत दर्ज कराएंगे। भाजपा में टिकट वितरण केंद्रीय नेतृत्व जनता की राय और सर्वे रिपोर्ट के आधार पर करता है। इसमें किसी का चेहरा नहीं देखा जाता बल्कि व्यक्ति की निष्ठा, सेवाभाव और कर्त्तव्य परायणता के साथ जनता का मत देखा जाता है। आज के बदले हुए समीकरणों के अनुसार टिकट का वितरण होगा। कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों में भ्रम फैलाया, लेकिन अब समीकरण अलग है। जो जन सेवा के लिए मैदान में है, उसको उतारा जाएगा। भाजपा ऐसा संगठन है जहां एक राय होकर काम करते है।

राठौड़ ने कहा कि अब वो समय आ गया है जब जनता को बरगलाने से काम नहीं चलेगा। जनता विकास और कार्य के नाम पर वोट देती है। भाजपा की रणनीति साफ और स्पष्ट है कि केंद्र और राज्य सरकार के कार्यों के साथ योजनाओं को आधार बनाकर चुनाव लड़ा जाएगा। भाजपा संगठन मजबूत है, यहां बूथ से लेकर जिला स्तर तक के कार्यकर्ताओं द्वारा सतत रूप से आमजन से संपर्क किया जा रहा है।

अपने ही फैसले वापस लेने वाली यह यूटर्न सरकार है : डोटासरा

जयपुर। एसआई भर्ती को लेकर असमंजस, महिला आईपीएस अधिकारी की लोकेशन ट्रेस के मामले और नाबालिग बच्चियों से दुष्कर्म की लगातार बढ़ती घटनाओं को लेकर कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बुधवार को मीडिया से कहा कि एक महिला एसपी की उन्हीं के मातहत कर्मचारी लोकेशन ट्रेस कर रहे हैं। आज तक सरकार ने एक शब्द नहीं कहा। ये किस मुंह से महिला सशक्तिकरण और महिला अपराध रोकने की बात कह सकते हैं।

डोटासरा ने कहा कि मंत्री ने इस्तीफा दे दिया और भाजपा मुख्यालय में एक कैबिनेट मंत्री हाथ जोड़कर मुख्यमंत्री से कहता है कि इस्तीफा स्वीकार कर लो, लेकिन आज तक इस्तीफे पर कोई फैसला नहीं आया। एक दिन मंत्री के लेटरपैड पर दस्तखत करते हैं। दूसरे दिन विधायक के लैटरपैड पर साइन करते हैं।

कम्यूनिटी पुलिसिंग में राजस्थान को राष्ट्रीय पुरस्कार

जयपुर। राजस्थान कैडर के आईपीएस अधिकारी पंकज चौधरी की लीडरशिप में "कम्यूनिटी पुलिसिंग" को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। दिल्ली के होटल पुलमैन में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय सम्मान समारोह में आईपीएस पंकज चौधरी को कम्यूनिटी पुलिसिंग में नवाचार एवं उम्दा कार्यों के लिए डूइंग गुड फ़ॉर भारत अवॉर्ड 2024 से सम्मानित किया गया। कम्युनिटी पुलिसिंग के एसपी पंकज चौधरी को यह सम्मान शासन और सार्वजनिक सेवाओं के माध्यम से उम्दा परफॉर्मेंस के लिए दिया गया है। इंडिया सीएसआर एंड ईएसजी समिट 2024 के अवसर पर राजस्थान में कम्यूनिटी पुलिसिंग के कार्यों की सराहना और सम्मान करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर नवाज़ा गया। सीएसआर एंड ईएसजी शिखर सम्मेलन के इस 11वें संस्करण में देशभर से चुनिंदा श्रेष्ठ कार्यों को मुकाम देने वाली अन्य हस्तियों को भी सम्मानित किया गया।

अधिकारी-कार्मिक अधिक संवेदनशील और सतर्क रहकर कार्य करें : नवीन महाजन

जयपुर। राजस्थान में 7 विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव स्वतन्त्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और भय रहित माहौल में करवाने के लिए निर्वाचन विभाग माइक्रो आब्जर्वर और सेक्टर ऑफिसर के रूप में अतिरिक्त मानव संसाधन नियोजित किए जाएंगे। इस क्रम में निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अधिकारी-कार्मिक अधिक संवेदनशील और सतर्क रहकर कार्य करेंगे। साथ ही, जागरूकता गतिविधियां बढ़ाकर अधिकाधिक मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

> **जिला निर्वाचन, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा**

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बुधवार को उपचुनाव वाले क्षेत्रों के जिला निर्वाचन अधिकारियों, रिटर्निंग अधिकारियों (आरओ), पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस बैठक में इस सम्बन्ध में निर्देश दिए। उपचुनाव की तैयारियों की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि सभी रिटर्निंग अधिकारी भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का गहनता से अध्ययन करें और तदनुसार अपने टीम सदस्यों को समुचित प्रशिक्षण देकर निर्वाचन को निष्पक्ष और समावेशी प्रक्रिया के रूप में संपन्न करवाएं।

महाजन ने जिला निर्वाचन अधिकारियों से कहा कि विधानसभा क्षेत्रों में संवेदनशील मतदान केन्द्रों की पहचान कर वहां अतिरिक्त माइक्रो आब्जर्वर या सेक्टर ऑफिसर की तैनाती कर सकते हैं। धरातल पर नियोजित ये सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी और अधिकारों की पूरी जानकारी रखें तथा आयोग के दिशा-निर्देशों एवं नियमों की बारे में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समय-समय पर बैठक कर सूचनाएं साझा करें।

बैठक में राज्य पुलिस नोडल अधिकारी पुलिस महानिरीक्षक (कानून-व्यवस्था) अनिल टांक ने जिला पुलिस अधीक्षकों सहित अन्य पुलिस अधिकारियों से उपचुनाव वाले क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर विशेष निगरानी के लिए निर्देशित किया। उन्होंने बताया कि चुनाव वाले 7 जिलों में से 4 की सीमाएं पड़ोसी राज्यों से लगी है, जहां विशेष निगरानी के लिए अंतरराज्यीय सीमा नाके लगाए गए हैं। सभी 7 विधानसभा क्षेत्रों में संवेदनशील इलाकों की पहचान कर सुरक्षा व्यवस्था का समुचित प्रबंधन किया जा रहा है तथा आवश्यकता होने पर केन्द्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी महाजन ने भी कहा कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में सुरक्षित, भय रहित और शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव प्रक्रिया संपन्न करवाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है. इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने 85 वर्ष से अधिक आयु और 40 से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं के लिए होम वोटिंग के विकल्प का जमीनी स्तर पर प्रचार-प्रसार करने पर जोर दिया, ताकि इन श्रेणियों के ज्यादा से ज्यादा मतदाता अधिक सुविधाजनक ढंग से अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें। वर्तमान में उपचुनाव वाले 7 विधानसभा क्षेत्रों में 85 वर्ष से अधिक आयु के 19,674 और 22,834 दिव्यांग मतदाता चिन्हित किए गए हैं, जो होम वोटिंग के पात्र हैं। उन्होंने बताया कि उपचुनाव के लिए 23 अक्टूबर तक बीएलओ द्वारा पात्र मतदाताओं से विकल्प-पत्र के रूप में फॉर्म 12डी प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इससे चुनाव प्रक्रिया अधिक समावेशी हो सकेगी तथा लोकतान्त्रिक प्रक्रिया में सभी लोगों की भागीदारी बढ़ाने का उद्देश्य हासिल किया जा सकेगा।

महाजन ने कहा कि उपचुनाव क्षेत्रों में जिला स्तर पर स्थापित एवं संचालित कंट्रोल रूम में फोन नंबर 1950 पर डायल कर शिकायत दर्ज करने और उनके निस्तारण की व्यवस्था पर औचक निरीक्षण करें। उन्होंने विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में आदर्श मतदान केन्द्रों की संख्या बढ़ाने तथा सभी मतदान केन्द्रों पर आयोग के निर्देशानुसार पेयजल, छाया, शौचालय, व्हीलचेयर आदि न्यूनतम सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राजस्थान स्टेट एंड हेल्थ केयर काउंसिल के चेयरमैन की नियुक्ति पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान स्टेट एंड हेल्थ केयर काउंसिल के चेयरमैन की नियुक्ति पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में एसीएस मेडिकल एंड हेल्थ, प्रमुख विधि सचिव और डॉ. एसएस यादव से जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश सुनीता शर्मा व अन्य की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि भारत सरकार ने दी नेशनल कमीशन फोर अलाइड एंड हेल्थ प्रोफेशन एक्ट, 2021 पारित किया था। जिसमें स्वास्थ्य सेवा की विभिन्न ब्रांच को इस एक्ट के अधीन लाया गया। इसमें मेडिकल लेबोरेट्री, रेडियोग्राफर, ईसीजी, बीपीटी, बर्न फिजियो प्रोफेशन व प्राकृतिक चिकित्सा को भी शामिल किया गया। इस एक्ट के तहत काउंसिल के चेयरमैन पद पर उसी को पात्र माना गया, जिसके पास इन सेवा में 25 साल का कार्य अनुभव व मास्टर की डिग्री हो। इसके बावजूद राज्य सरकार ने गत 30 अगस्त को आदेश जारी कर डॉ. एसएस यादव को काउंसिल का चेयरमैन नियुक्त कर दिया। जबकि डॉ. एसएस यादव इनमें से किसी विभाग से नहीं आते हैं।

मावे व खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए, सड़ी सब्जियां नष्ट करवाई

पाली,(नि.सं.)। राज्य सरकार के निर्देश पर जिले में चल रहे शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत बुधवार को भी चिकित्सा विभाग की खाद्य सुरक्षा टीम ने पाली शहर में दो स्थानों पर कारवाई को अंजाम दिया।

इसमें से एक स्थान पर निजी बसों से बीकानेर से पाली आए 15 डिब्बों में भरे मावे का मिलावट के संदेह पर सैंपल लिया गया तथा दूसरी जगह सुमेरपुर रोड पर संचालित हो रहे मॉल में खाद्य सामठी पर कार्रवाई कर वहां से खाद्य सामग्री के नमूने जांच के लिए लिए गए तथा इसी मॉल से सड़ी हुई सब्जी को भी नष्ट करवाई गई। यह कार्रवाई सीएमएचओ डॉ.विकास मारवाल के नेतृत्व में की गई।

सीएमएचओ डॉ.विकास मारवाल ने बताया कि त्यौहारी सीजन में आमजन को शुद्ध खाद्य सामग्री सुलभ हो। इसके लिए राज्य सरकार की ओर से दीपावली त्यौहार की सीजन में चिकित्सा विभाग की ओर से जिले सहित प्रदेश भर में शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सजग एवं सतर्क है।

उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत विभाग की खाद्य सुरक्षा टीम ने बुधवार को भी खाद्य पदार्थों के नमूने लेने की कार्यवाही की गई। बुधवार सवेरे सीएमएचओ डॉ.विकास मारवाल के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी आनंद कुमार, भूराराम, नारायणसिंह ने निजी बसों में बीकानेर से पाली पहुंचे 15 डिब्बों में भरे मावे के सेंपल लिए गए। यह सभी सेंपल मिलावट के संदेह पर लिए गए। यह मावा पाली शहर के पुराना बस स्टैंड स्थित राजपुरोहित मावा भंडार व महावीर मावा भंडार तथा सुपर मार्केट स्थित बीकानेर मावा भंडार के यहां सप्लाई होना था। इसी टीम ने बाद में पाली शहर के सुमेरपुर रोड पर संचालित हो रहे रिलायंस स्मार्ट मॉल में पहुंच कर खाद्य सामठी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में बादाम, सोन पापड़ी, बेसन, मेंदा का सेंपल लेकर जांच के लिए नमूने प्रयोगशाला में भिजवाए गए।

इसी टीम ने इसी मॉल में बिक रही 25 किलोग्राम सड़ी हुई सब्जी को हाथों हाथ नष्ट करवाई।

सीएमएचओ डॉ. विकास मारवाल के नेतृत्व में की गई इन कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी आनंद कुमार, भूराराम, नारायणसिंह, लक्ष्मणदान, ओमप्रकाश, प्रेमप्रकाश व नारायणलाल का सहयोग रहा। सीएमएचओ डॉ.मारवाल ने बताया कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

चिकित्सा विभाग की खाद्य सुरक्षा टीम ने पाली शहर में कारवाई की। फोटो-राष्ट्रदूत

पनीर व दूध क्रीम इकाइयों पर की कार्रवाई

पाली जिले में चलाए जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत चिकित्सा विभाग की खाद्य सुरक्षा टीम ने दीपावली के त्योहार पर खाद्य पदार्थों की बढ़ी हुई खपत को देखते हुए मिलावट की रोकथाम के लिए गठित दल ने मंगलवार को पाली औद्योगिक क्षेत्र में पनीर निर्माण एवं दूध क्रीम की बड़ी इकाइयों पर छापा मार कार्रवाई की। रीको एरिया में वैरायटी इंडस्ट्रीज निर्माण एवं विक्रय इकाई से पनीर एवं दूध क्रीम का नमूना जांच के लिए लिया गया। सीएमएचओ डॉ विकास मारवाल के नेतृत्व में की गई कारवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी आनंद कुमार, भूराराम गोदारा, नारायण सिंह, ऑपरेटर ओमप्रकाश प्रजापत, किशन सिंह, नारायणलाल मौजूद रहे। सीएमएचओ डॉ विकास मारवाल ने बताया कि शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत आगे भी कारवाई जारी रहेगी। सीएमएचओ ने बताया कि सभी सैम्पलों को जांच के लिए जोधपुर भेजा गया है। टीम ने खाद्य व्यापारियों को दुकानों में साफ सफाई को विशेष ध्यान रखने तथा स्वच्छता रखने तथा खाद्य वस्तुओं को ढककर रखने के लिए पाबंद किया।

नाश्ता कॉर्नर से बाल श्रमिक मुक्त करवाया

जोधपुर, (कासं) । मानव तस्करी यूनिट पश्चिम ने बोंबे मोटर चौराहा के पास में एक नाश्ता कॉर्नर पर काम कर रहे बालक को बालश्रम से मुक्त करवा चाइल्ड हैल्प लाइन को सौंपा। इस बारे में सरदारपुरा थाने में संचालक खिलाफ केस बनाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मानव तस्करी विरोधी यूनिट पश्चिम की प्रभारी एसआई कैलाशी गुगडवाल ने बोंबे मोटर चौराहा के पास स्थित गुरू कृपा नाश्ता कार्नर पर एक बालक को बालश्रम से मुक्त करवा चाइल्ड हैल्प लाइन के सुपुर्द करवाया।

इस बारे में संचालक निर्मल प्रजापत के खिलाफ सरदारपुरा थाने में प्रकरण दर्ज करवाया गया।

जालोर में खत्री समाज ने राजस्थान विद्युत लेखा संघ के संगठन मंत्री विनोद आर्य के नेतृत्व में उप पुलिस अधीक्षक जीवनलाल किरी का स्थानांतरण होने पर स्वागत कर विदाई दी तथा उनके सेवा कार्यों की प्रशंसा की। इस अवसर पर नरेंद्र भूत, प्रवीण किरी, जितेंद्र छुंछा और विनोद आर्य ने उनका माल्यार्पण कर व साफा पहनाकर स्वागत किया। जीवन लाल का स्थानांतरण बाड़मेर जिले के चौहटन में वृताधिकारी के रूप में हुआ है। फोटो-राष्ट्रदूत

जिला शैक्षिक सम्मेलन की तैयारी पर चर्चा की

जालोर में शिक्षक संघ राष्ट्रीय की उप शाखा की बैठक आयोजित हुई। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उप शाखा जालोर की बैठक मंगलवार को राजेंद्र नगर विद्यालय में सभा अध्यक्ष चंदनसिंह चंपावत के निर्देशन और उपशाखा अध्यक्ष कृष्णपाल सिंह सामुजा की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक के दौरान आगामी जिला चुनाव को लेकर विचार विमर्श कर विभिन्न प्रस्ताव लिए गए तथा 25 और 26 को प्रस्तावित जिला शैक्षिक सम्मेलन के लिए जालोर उस शाखा को दिए गए दायित्व अनुसार कार्यकारिणी ने रूपरेखा तय करते हुए आवश्यक चर्चा की।

इस दौरान चुनाराम बोराणा नरपत आर्य गणपतसिंह मंडलावत भाग्यवती परमार सीता जसवंतसिंह मंगलसिंह हितेश दवे नरेश बामनिया कल्पेश बोहरा खुशवंत नाग गोपाललाल गोपाराम गर्ग राजू त्रिपाठी गोपीलाल और हितेशकुमार सहित ब्लाक कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में ब्लॉक मंत्री मूलाराम ने विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा के बिंदु तय कर अनुमोदन करवाया तथा ब्लॉक कोषाध्यक्ष मुकेशकुमार ने आगामी अधिवेशन में सभी से सहयोग की अपील करते हुए जिला शिक्षक अधिवेशन के लिए अधिकतम प्रसार प्रचार की आवश्यकता को लेकर अपनी बात कही।

बैठक में जिला चुनाव के लिए वरिष्ठ पदाधिकारियों के निर्देश अनुसार महासमिति सदस्यों की आवश्यक बैठक का भी प्रस्ताव लिया गया।

वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित

जालोर, (कासं)। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) द्वारा वित्तीय शिक्षा संदेशों का प्रचार किए जाने के लिए अग्रणी बैंक कार्यालय जालोर द्वारा बुधवार को विनायक फाउंडेशन अकादमी जालोर में वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन कर नुक्कड़ नाटक व वीडियो क्लिप के माध्यम से वित्तीय शिक्षा के बारे में छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया।

शिविर में जिला अग्रणी बैंक के मुख्य प्रबंधक रमेश कुमार ने छात्रों को बचत का जीवन में महत्व, बचत खाता खोलने के लाभ, भारत सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ, रूपे कार्ड, डिजिटल लेनदेन, साइबर क्राइम, एसएमएस अलर्ट, वॉट्सएप बैंकिंग एस.बी.आई. व वित्तीय एवं डिजिटल प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के महत्व के बारे में बताया। सहायक अर्जुन परिहार ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के महत्व के बारे में बताने के साथ ही किसी भी प्रकार की वित्तीय धोखाधड़ी होने पर तुरन्त बैंक शाखा से सम्पर्क करने तथा टोल फ्री नंबर 14448 व 1930 एवं सीएमएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाक नुकसान से बचे जाने के बारे में जानकारी दी गई। फील्ड कॉर्डिनेटर भावेश ने खेल के माध्यम से वित्तीय बचत के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य सुनील चौधरी, हरीश कुमार सहित छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

न्यायाधिपति राजेन्द्र प्रकाश सोनी को दी श्रद्धांजलि

जालोर न्यायालय में हाई कोर्ट के न्यायाधिपति स्व. राजेन्द्रप्रसाद सोनी को श्रद्धांजलि दी। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय,जोधपुर मुख्य पीठ के न्यायाधिपति राजेन्द्र प्रकाश सोनी के 12 अक्टूबर को आकस्मिक निधन होने पर बुधवार को जालोर न्यायालय परिसर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की।।

न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। ज्ञात रहे कि जस्टिस सोनी जालोर में वर्ष 2018 से 2020 तक में जिला एवं सेशन न्यायाधीश पद पर रहे। इसके बाद उनका स्थानांतरण उदयपुर हुआ। वही वर्ष 2023 में ही राजस्थान उच्च न्यायालय में न्यायाधिपित बने थे। जिला न्यायाधीश हारून, विशिष्ठ न्यायाधीश, पोक्सो न्यायालय भूपेन्द्र कुमार सनाढ्य, अपर जिला न्यायाधीश महेश कुमार, विशिष्ठ न्यायाधीश एस सी एस टी प्रकरण अधि. न्यायालय परवेज अहमद, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अहसान अहमद, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रिया टावरी, अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सं.1 आशा चारण,, अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सं.2, अंकित दवे, न्यायिक मजिस्ट्रेट दिव्या गोदारा, अध्यक्ष, बार संघ प्रवीण चौहान, सचिव उत्तम गहलोत, वरि. अधिवक्ता राजेन्द्र कच्छवाह, प्रोटोकॉल अधिकारी, विश्वेश वशिष्ठ, वरिष्ठ मुंसरिम, धनराज खत्री, जिला न्यायालय प्रबंधक भूपेश व्यास, सहित अधिवक्ता एवं कर्मचारीग उपस्थित रहे।

पेड़ पर फंदा लगाकर जान दी

जोधपुर, (कासं) । जोधपुर शहर के निकट सोढ़ों की ढाणी कालीबेरी में एक व्यक्ति ने रोहिड़ा के पेड़ पर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली।

सूरसागर पुलिस ने बताया कि सोढ़ों की ढाणी कालीबेरी निवासी दिलीप सिंह की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसके भाई 48 वर्षीय खूमसिंह ने रोहिड़ा के पेड़ पर रस्सी का फंदा बनाकर खुदकुशी कर ली। उसके आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। पुलिस ने शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया।

सतर्कता दलों का गठन करने के निर्देश दिए

जालोर, (कासं)। जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने जालोर जिले में त्योहारों की सीजन को देखते हुए कर चोरी रोकथाम व प्रभावी निगरानी के लिए विशेष सतर्कता दलों का गठन करने के निर्देश दिए।

जिला कलैक्टर की अध्यक्षता में जीएसटी, आबकारी, खनन, पंजीयन एवं मुद्रांक, परिवहन व वाणिज्य कर विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। जिसमें उन्होंने खनन विभाग के अधिकारियों को अवैध खनन की रोकथाम करने के साथ ही नवीन ब्लॉकों के चिन्हीकरण तथा एमनेस्टी स्कीम के तहत बकाया वसूली का निस्तारण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्टांप ड्यूटी वंचना की रोकथाम के लिए रजिस्ट्रियों की जांच कर मौका निरीक्षण किये जाने की बात कही। जिला कलैक्टर ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को उड़नदस्तों का गठन कर नॉन ओटीटी राजस्व वसूली करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने आबकारी विभाग को लक्ष्यानुरूप राजस्व लक्ष्यों को अर्जित करने की बात कही। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेश मेवाड़ा, जिला परिवहन अधिकारी जालोर छगनलाल मालवीय सहित आबकारी, जीएसटी, वाणिज्य कर विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

सफाई सहित बेहतर सुविधाएं करने पर मंथन किया

जालोर में जोगेश्वर गर्ग (मध्य) की उपस्थिति में मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी की बैठक हुई। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग की उपस्थिति व जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में मंगलवार को सायंकाल कलेक्ट्रेट सभागार में जिला चिकित्सालय जालोर की राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी की बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में जिला चिकित्सालय जालोर परिसर मय विभिन्न वार्डों, जीएनएम, प्रशिक्षण केन्द्र, कार्यालय भवन, ब्लड बैंक, एआरटी सेन्टर, रिकॉर्ड रूम व नेत्र वार्ड तथा एमसीएच सेन्टर व ट्रोमा सेन्टर जालोर के परिसरों, वार्डो, इत्यादि में साफ-सफाई व्यवस्था, अस्पताल से संबंधित मुद्रण सामग्री की आपूर्ति, विद्युत उपकरण एवं सेनेट्री तथा प्लम्बरिंग सामग्री की आपूर्ति, ब्लड बैंक व प्रयोगशाला में जांच के लिए रिजेन्ट एवं अन्य केमिकल्स व कन्ज्यूमेबल्स, डिजिटल एक्सरे फिल्म व संबंधित अन्य सामग्री तथा सोनोग्राफी के लिए प्रिन्ट रोल, जैली व अन्य संबंधित सामग्री, औषधियां व अन्य कन्ज्यूमेबल्स सामग्री, जिला चिकित्सालय, ट्रोमा सेन्टर व एमसीएच सेन्टर के गंदे कपड़ों की धुलाई कर ईस्त्री करने के कार्य, सेवा प्रदाता एजेन्सी के माध्यम से सिक्युरिटी गार्ड व कम्प्यूटर ऑपरेटर मशीन विद मैन लगाने, जिला चिकित्सालय व एमसीएच सेन्टर में ऑक्सीजन प्लांट रख-रखाव सहित विभिन्न बिन्दुओं के संबंध में चर्चा की गई।

इस अवसर पर जिला परिषद की अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी चिदम्बरा परमार, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. पूनम टांक, शिशु एवं बाल रोग अधिकारी डॉ. मुकेश चौधरी, जिला परिषद के वरिष्ठ लेखाधिकारी हमीराराम मेघवाल, लेखाधिकारी मीठालाल सांखला आदि उपस्थित रहे।

अभियान 18 से

जालोर, (कासं)। राज्य को आश्रयहीन, असहाय, नि:शक्त व लावारिस मुक्त करने के उद्देश्य से जालोर जिले में 18 अक्टूबर को विशेष रेस्क्यू अभियान चलाया जाये। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता उप निदेशक राजीव कुमार सुथार ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग व मां माधुरी बृज वारिस सेवा सदन अपना घर भरतपुर के संयुक्त तत्वावधान में अभियान चल रहा हैं।

कमला देवी की स्मृति में 'माजीसा के नाम' भजन संध्या आयोजित

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के सिंधी कॉलोनी में माजीसा गरबा मंडल के तत्वावधान में माजीसा की भक्त देवलोक वासिनी कमला देवी की स्मृति में एक शाम माजीसा के नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन सिंधी कॉलोनी जालौर में मंगलवार की रात्रि को किया गया।

माजीसा गरबा मंडल के अध्यक्ष किशन आडवाणी ने बताया कि कार्यक्रम में सिरे मंदिर धाम के संत शेरनाथ महाराज, संत निरंजन नाथ महाराज तथा झरनेश्वर महादेव मंदिर के संत साईनाथ महाराज का पावन सानिध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ।इस अवसर पर माता रानी भटियाणी के उपासक रामपुरी एवं सुखी देवी का भी सान्निध्य प्राप्त हुआ ।

जालोर के सिंधी कॉलोनी में एक शाम माजीसा के नाम भजन संध्या का आयोजन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित मनीष ठाकुर के मंत्रोच्चारण के साथ संत वृंदों एवं अतिथियों ने अपने कर कमलों से माताजी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अतिथि के रूप में भारत विकास परिषद के अध्यक्ष राजेंद्र भूतडा एवं पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार दवे उपस्थित थे । कार्यक्रम में मंडल द्वारा संत- महात्माओं एवं अतिथियों का स्वागत श्री फल, शाल, माला, दुपट्टा भेट कर किया गया। भजनों की शुरुआत स्थानीय कलाकार नितेश रामावत ने गणपति वंदना की सुमधुर प्रस्तुति देकर की । प्रस्तुतियों के क्रम में भीनमाल के प्रसिद्ध गायक नरेश सेन ने माता भटियाणी जी के सुंदर भजनों की प्रस्तुति प्रदान कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया । गायक संत भोले बाबा ने ओज पूर्ण वाणी में हिंदी भजनों की प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरी । कार्यक्रम के दौरान जोधपुर के हास्य कलाकार जगदीश प्रजापति ने अपने अभिनय एवं अभिव्यक्ति के द्वारा दर्शकों को हसने पर मजबूर कर दिया ।

भीनमाल के स्वरूप जोशी ने अपनी आकर्षक झाकियों तथा स्वांग के माध्यम से शानदार प्रस्तुति प्रदान कर आकर्षण के केंद्र रहे । वासा सिरोही के भजन गायक संदीप कुमावत ने सुंदर भजन गायन कर सभी का मन मोह लिया। स्थानीय गायिका करिश्मा चौहान ने भी बढियां प्रस्तुति देकर दाद बटोरी। कार्यक्रम में शैतान सिंह राजपुरोहित ने अपनी ओजपूर्ण वाणी में शानदार मंच का संचालन कर कार्यक्रम को प्रभावी बना दिया।

कार्यक्रम में संरक्षक मंडल के सत्य प्रकाश रामावत, रणछोड पुरी, किशनलाल महेश्वरी, घेवर चंद सोनी, अशोक जडिया, भेरूलाल सोनी, पंडित मनीष ठाकुर एवं माताजी की सेविका योगिता भूआ का माला- साफा, दुपट्टा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर बहुमान किया गया। मंडल द्वारा पदाधिकारियों में अध्यक्ष किशन आडवाणी, उपाध्यक्ष मेहुल रामावत, कोषाध्यक्ष अरविंद सोनी, सचिव धीरज सोनी, सह सचिव मनोज सोनी, गोपाल सोनी, मनोज रामावत, श्रवण सोनी, मनोज सोनी, सिंधी, कन्हैयालाल सोनी, मदन सोनी, धर्मेंद्र गर्ग, कमलेश, सोनू भाई, तरुण त्रिवेदी, वीरेंद्र पुरी, नितेश भटनागर दिलीप आडवाणी, हीरालाल पोमल हेमराज आडवाणी, चेतन सोनी, अंकुश सोनी, हितेश पोमल, गोपाल आडवाणी, वही महिला कार्यकर्ताओं में दीपा आडवाणी, जशोदा सोनी, कोमल सोनी, ज्योति पोमल, डिंपल सोनी, विनीता पोमल समेत सहयोगी कार्यकर्ताओं का स्मृति चिह्न एवं दुपट्टा भेंट कर सम्मान किया गया।

जोधपुर रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता चौपाल लगाई

जोधपुर, (कासं)। रेलवे की ओर से स्वच्छता के प्रति संकल्प की प्रतिबद्धता के लिए 1 से 15 अक्टूबर तक आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा का आज समापन हुआ।

इस अवसर पर आज मुख्य सिटी स्टेशन पर स्कूली बच्चों और रेल यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए चौपाल का आयोजन किया गया। स्वच्छता चौपाल के माध्यम कार्यस्थलों की स्वच्छता और वेस्ट टू वेल्थ की अवधारणा जैसे मुद्दों पर कार्य किया। स्वच्छता व सुरक्षा के प्रति जागरूकता है इसके तहत यात्रियों के साथ सीधा संवाद कर उन्हें साफ-सफाई, रेलवे सुरक्षा एवं रेलवे परिसर में उपलब्ध सुविधाओं के प्रति जागरूक किया गया।

स्वच्छता पखवाडे के दौरान आमजन और यात्रियों को जागरूक कर

- **रेलवे की स्वच्छता के प्रति संकल्प की प्रतिबद्धता के लिए 1 से 15 अक्टूबर तक आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा संपन्न**

उनकी सहभागिता के साथ सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाया गया। इसकी शुरुआत 01 अक्टूबर को रेलकर्मियों द्वारा स्वयं और दूसरो को स्वच्छता के लिए प्रेरित करने हेतु स्वच्छता शपथ के साथ हुई।

मंडल रेल प्रबंधक पंकज कुमार सिंह ने बताया कि स्वच्छता पखवाड़े में 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक प्रत्येक दिन अलग-अलग विषयवस्तु (धीम) के आधार पर स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का कार्य किया गया।

2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रमदान कर सफाई व्यवस्था में भागीदारी निभाई।

रेल कर्मचारियों तथा अधिकारियों के साथ-साथ कुलियों, ऑटो चालक यूनियन पदाधिकारियों, स्काउट व गाइड, स्कूली बच्चों, गैर सरकारी संगठनों एवं यात्रियों के साथ साथ आमजन ने भी श्रमदान कर अपना योगदान दिया।

इस क्रम में जोधपुर, मेड़ता रोड, पाली मारवाड़, नागौर, नोखा और भगत की कोठी सहित अन्य स्टेशनों पर रेल कर्मचारियों एवं उनके परिवार जनों द्वारा पानी को खाली प्लास्टिक के बोतलों एवं अन्य प्लास्टिक उत्पादों के वेस्ट से आकर्षक गमले एवं सुंदर कलाकृक्तियां बना कर कचरे के बेहतर उपयोग का संदेश दिया गया।

राज्यमंत्री खर्रा जोधपुर आयेंगे

जोधपुर, (कासं)। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा गुरूवार को जोधपुर आयेंगे।

जाबर सिंह खर्रा गुरूवार, 17 अक्टूबर को दोपहर 1.30 बजे जोधपुर आयेंगे तथा मारवाड़ इन्टरनेशनल सेंन्टर में दोपहर 2 से 3.30 बजे तक नगर निगम उत्तर, 4 बजे से 5.30 बजे तक नगर निगम दक्षिण तथा सांय 6 बजे से 7.15 बजे तक जोधपुर विकास प्राधिकरण की विभागीय समीक्षा बैठक लेंगे। वे रात्रि विश्राम सर्किट हाउस जोधपुर में करेंगे।

राज्यमंत्री जाबर सिंह खर्रा शुक्रवार, 18 अक्टूबर को प्रात: 9 से प्रात: 10.15 बजे सर्किट हाउस में जनसुनवाई करेंगे। प्रात: 10.30 बजे से 12.05 बजे तक रमजान जी हत्था बनाड़ रोड स्थित शिवम डिपार्टमेंटल स्टोर के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेंगे। वे 12.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक आमजन व जन-प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे।

सार-समाचार

स्कूल व उप स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण

जोधपुर, (कासं)। जिला कलैक्टर जोधपुर गौरव अग्रवाल बुधवार को शेरगढ़ क्षेत्र के निरीक्षण पर रहे। इस दौरान उन्होंने राजकीय प्राथमिक विद्यालय, शिव मंदिर पुरोहितों की ढाणी चाबा एवं उप स्वास्थ्य केंद्र भोम सागर का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला कलैक्टर गौरव अग्रवाल ने शेरगढ़ क्षेत्र के राजकीय प्राथमिक विद्यालय, शिव मंदिर पुरोहितों की ढाणी चाबा का भी निरीक्षण कर शैक्षिणक और आधारभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय में छात्रों की उपस्थिति, शिक्षण पद्धित और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की और सुधार के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान जिला कलैक्टर अग्रवाल ने प्रबोधक सुखदेव प्रसाद बेरवा द्वारा बच्चों को दी जा रही शिक्षा पर संतोष व्यक्त किया एवं बच्चों को गुणवतापूर्ण शिक्षा के लिए प्रेरित किया। साथ ही, बच्चों से संवाद कर उनके ज्ञान की परख की। इस दौरान उन्होंने स्कूल की साफ सफाई, पेयजल व्यवस्था, स्कूल के कक्षों, शौचालयों, भोजनशाला सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलैक्टर अग्रवाल ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र भोम सागर, शेरगढ़ का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अग्रवाल ने उप स्वास्थ्य केन्द्र की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

'प्रवासी उद्योगपतियों को प्रोत्साहित करें'

जालोर, (कासं)। राज्य सरकार राजस्थान को एक विकसित राज्य बनाने के संकल्प से कार्य कर रही है। इसी दिशा में जयपुर में 9 से 11 दिसंबर तक राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट- 2024 होगा। इसके तहत जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट 28 अक्टूबर को होटल वतन रिसोर्ट बिशनगढ़ में आयोजित किया जाएगा। जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में बुधवार को विभिन्न विभागों के साथ कलेक्ट्रेट में बैठक सम्पन्न हुई जिसमें उन्होंने प्रवासी उद्योगपतियों को गृह जिले में निवेश के लिए प्रोत्साहित किये जाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में जिला कलैक्टर ने कृषि, खनन, यूडीएच, पर्यटन, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, ऊर्जा, राजस्व, श्रम कौशल आदि विभागों के अधिकारियों को राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024 के दौरान जिले में निवेश के लिए उद्यमियों से बातचीत कर अधिक से अधिक एमओयू करवाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र के महाप्रबंधक संग्राम राम देवासी ने बताया कि जिले में निवेशकों से अब तक लगभग 250 करोड़ के एमओयू किये जा चुके हैं। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेश मेवाड़ा, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र के महाप्रबंधक संग्रामराम देवासी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बच्चों ने फोक फेस्टिवल देखा

जोधपुर, (कासं)। क्या जादुई दिन था, द शांति निकेतन इंटरनेशनल स्कूल के प्रेप से लेकर चौथी कक्षा तक के बच्चों के लिए। बुधवार को हमारे नन्हें खोजकर्ता स्कूल बसों में सवार होकर रंग-बिरंगे मसूरिया पहाडी में वीर दुर्गा दास मेमोरियल पार्क में आयोजित राजस्थान इंटरनेशनल फोक फेस्टिवल का दौरा किया, जहां उनका स्वागत हुआ, एक मनमोहक बाल मेले में। प्राप्त जानकारी के अनुसार बच्चों ने जोधपुर शहर को ऊंचाई से देखा।मसूरिया पहाडी वाले घुमावदार रास्ते पर बच्चों को खूब आनंद की अनुभूति हुई। यह अद्भुत आयोजन सिर्फ एक मेला नहीं था, बल्कि हमारे बच्चों के लिए संस्कृति के विविध रंगों से रूबरू होने का सुनहरा मौका था। यहां के सम्मोहक कालबेलिया और घूमर नृत्य, तेरह ताली की मोहक धुनें और कठपुतली शो के जीवंत प्रदर्शन ने हमारे विद्यार्थियों को लोक कला की सुंदरता से परिचित कराया। इस शैक्षिक दौरे का उद्देश्य छात्रों को बाल - मेले के रूप में भारतीय लोक संगीत और संस्कृति से परिचित कराना था।

प्रिंसिपल डॉ. जोधा ने कार्य संभाला

जोधपुर, (कासं)। डॉ. बीएस जोधा ने बुधवार को एक बार फिर डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल व नियंत्रक का पदभार संभाला। वह करीब डेढ़ महीने बाद एक बार फिर से कॉलेज के प्रिंसिपल बनाए गए है। डॉ. बीएस जोधा को करीब डेढ़ महीने पहले राज्य सरकार ने डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल पद से हटाया था। उनकी जगह डॉ. भारती सारस्वत को प्रिंसिपल बनाया गया था। दो दिन पहले डॉ. जोधा को एक बार फिर कॉलेज का प्रिंसिपल नियुक्त किया गया। डॉ. बीएस जोधा ने आज मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल पद का कार्यभार ठाहण किया। इस अवसर पर अतिरिक्त प्रधानाचार्य डॉ. योगीराज जोशी, डॉ. राजकुमार राठौड़, सभी अस्पतालों के अधीक्षक डॉ. नवीन किशोरिया, डॉ. फतेह सिंह भाटी, डॉ. अफजल हकीम, डॉ. सीआर चौधरी और अस्पतालों के चिकित्सक, नर्सिंग कर्मियों एवं समस्त महाविद्यालय के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

ओटाराम देवासी ने ज्ञापन पर संज्ञान लिया

जालोर, (कासं)। राज्य के ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री ओटाराम देवासी ने जालोर जिले के निष्क्रमणीय पशु राजकीय आवासीय विद्यालय हरियाली, आहोर में अव्यवस्थाओं के संबंध में अध्ययनरत छात्रों के अभिभावकों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से प्रेषित ज्ञापन पर तुरंत संज्ञान लेते हुए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जालोर के उप निदेशक को तुरन्त प्रभाव से अव्यवस्थाओं का अवलोकन कर आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने उप निदेशक को निष्क्रमणीय पशु आवासीय विद्यालय हरियाली, आहोर में अध्ययनरत छात्रों के अभिभावकों द्वारा प्रेषित किये गये ज्ञापन का अवलोकन करने के साथ ही वस्तुस्थिति परीक्षण कर विद्यालय व छात्रावास में बताई गई विभिन्न प्रकार की अव्यवस्थाओं के संबंध में स्पष्टीकरण मय अध्ययनरत छात्रों से व्यवस्थाओं के संबंध में सम्पर्क कर रिपोर्ट अविलंब भिजवाने के निर्देश दिए हैं।

शिक्षक संघ प्रगतिशील का धरना जारी

जालोर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील जिला शाखा जालोर एवं सांचोर की ओर से तृतीय श्रेणी शिक्षकों की वेतन नियमितीकरण को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा कार्यालय जालोर के समक्ष राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील का धरना दूसरे दिन भी जारी रहा एवं संगठन द्वारा राज्य के शिक्षा मंत्री को जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन भेजा गया। संगठन के मुख्य महामंत्री पूनमचंद बिश्नोई के अनुसार आगामी दिनों में आंदोलन को मजबूती के साथ तेज किया जाएगा। बुधवार के धरने में पूनम चंद बिश्नोई, रामनिवास साहू,लुंबाराम चौधरी, पूनमाराम पटेल, ललित कुमार सुंरियाल , मालाराम चौधरी, देवाराम चौधरी, लच्छाराम चौधरी, गौरव गौतम, एवं कैलाश मीणा ने भागीदारी निभाई। संगठन ने घोषणा की है कि आगामी दिनों में धरने एवं प्रदर्शन में ब्लॉक वाइज बडी संख्या में शिक्षको की भागीदारी होगी।

बाड़मेर में जिला स्तरीय इन्वेस्टमेंट समिट में 2200 करोड़ निवेश के एम.ओ.यू.

- राज्य सरकार उद्यमियों के प्रोत्साहन के लिए तत्पर : विश्नोई
- उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री, प्रभारी सचिव एवं जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ आयोजन
- बाड़मेर में नए उद्योग आने से विकास के आयाम स्थापित होंगे

बाड़मेर, (नि.सं.)। राज्य सरकार अधिकाधिक निवेश एवं उद्यिमयों के प्रोत्साहन के लिए तत्पर है। उद्योगों की स्थापना के लिए समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। बाड़मेर में इन्वेस्टमेंट समिट के जरिए हुआ निवेश भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यह इतिहास के पन्नों में लिखे जाने वाला क्षण है। इससे विकास के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई ने बुधवार को बाड़मेर जिला मुख्यालय पर हवेली रिसोर्ट में आयोजित जिला स्तरीय इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान उद्यिमयों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के.विश्नोई ने कहा कि उद्यिमयों के निवेश को समृद्ध एवं सुरक्षित बनाने के लिए राजस्थान सरकार हर कदम पर उनके साथ है। उन्होंने कहा कि बाड़मेर जिले में अधिकाधिक निवेश करते हुए प्रदेश के विकास में नए आयाम स्थापित करें। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से उद्यिमयों को प्रोत्साहित करने के लिए कई सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। राज्य स्तरीय समिट में भी निवेश के लिए उद्यमी एमओयू करवा सकते है। उन्होंने कहा कि पहली मर्तबा राज्य सरकार ने निवेशकों एवं इनोवेटर्स को राजस्थान में निवेश के लिए उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल एवं आईएएस को विदेश भेजा। राज्य मंत्री विश्नोई ने कहा कि इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं जर्मनी की यात्रा पर है। राजस्थान में निवेश के लिए बनाए गए सकारात्मक वातावरण के अच्छे परिणाम मिलने लगे हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 की घोषणा के दो महीने के भीतर अब तक 15 लाख करोड़ रुपए से अधिक के एमओयू पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। इस दौरान राज्य मंत्री विश्नोई ने राज्य सरकार की ओर से पहले वर्ष में ऐतिहासिक बजट प्रस्तुत किए जाने का उल्लेख करते हुए राइजिंग राजस्थान, 2047 में विकसित भारत, भारत माला परियोजना एवं जन कल्याणकारी योजनाओं तथा राज्य सरकार के जनहित के फैसलों के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल ने उद्यिमयों को बधाई देते हुए कहा कि बाड़मेर जिले के कई उद्यिमयों में अल्प समय में विकास का सफर तय किया है। उनसे प्रेरणा लेते हुए दूसरे उद्यिमयों को विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हुए बाड़मेर के विकास के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने आमजन के कल्याण के लिए कई ऐतिहासिक फैसले लेने के लिए नीतियां निर्धारित की है। किसानों को दिन के समय प्रतिदिन 8 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी को राहत प्रदान करने के साथ उद्यिमयों को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं लागू की गई है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजयेपी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की बदौलत ग्रामीण विकास को बढ़ावा मिला।

प्रभारी सचिव सुबीर कुमार ने कहा कि अब बाड़मेर जिले का परिपेक्ष्य बदल गया है। पिछले कुछ वर्षों में बाड़मेर में विकास के नए आयाम स्थापित हुए है। उन्होंने कहा कि समिट में हुए एमओयू के बाद बाड़मेर में नए उद्योग स्थापित होने से विभिन्न क्षेत्रों में विकास के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि बाड़मेर के लोग निरंतर प्रयास करते हुए आगे बढ़े और विश्व पटल पर अपना एवं जिले का नाम रोशन करें।

उन्होंने एमओयू करने वाले उद्यिमयों को बधाई देते हुए कहा कि यह बेहद खुशी की बात है कि वे बाड़मेर जिले के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए आगे आए है। कार्यक्रम के अंत में जिला कलैक्टर टीना डाबी ने जिला स्तरीय इन्वेस्टमेंट समिट के सफलतम आयोजन के लिए उद्यिमयों एवं विभागीय अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इससे बाड़मेर जिले में विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। उन्होंने कहा कि बाड़मेर जिले में 2200 करोड़ का निवेश होना बेहद ऐतिहासिक पल है। जो विभिन्न क्षेत्रों में विकास के साथ स्थानीय लोगों की प्रगति के द्वार खोलेगा।

लघु उद्योग भारती के प्रदेशाध्यक्ष ईश्वरलाल बालड़ ने राजस्थान सरकार के उद्योगों को प्रोत्साहन देने की नीति की सराहना करते हुए कहा कि बिजली,पानी एवं रियायती दरों पर जमीन उपलब्ध कराने के लिए भी अतिरिक्त प्रयास किए जाने चाहिए। इससे प्रदेश में निवेश को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने राज्य स्तरीय समिट में अधिकाधिक निवेश के लिए उद्यिमयों से आगे आने की अपील की। राजस्थान एचपीसीएल रिफाइनरी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर जीयू नरसिमलु ने रिफाइनरी स्थापित होने से वृहद स्तर पर उद्योग स्थापित होने एवं स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध होने के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र के महाप्रबंधक अनंत आर्य ने इन्वेस्टमेंट समिट में उद्यिमयों की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे निवेश एवं प्रोत्साहन के लिए सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत कराया।

समिट के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ पलनीचामी, अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत, यूआईटी सचिव श्रवणसिंह राजावत, उपखंड अधिकारी वीरमाराम, नगर परिषद सभापति दिलीप माली, समाजसेवी दिलीप पालीवाल, स्वरूपसिंह खारा, दीपक कड़वासरा, पुलिस उप अधीक्षक रमेश कुमार शर्मा, जगराम, उद्यमी किशोरसिंह कानोड़, जोगेन्द्रसिंह चौहान, कैलाश कोटड़िया, पुरूषोतम खत्री, रीको एआरएम लालाराम समेत विभिन्न जन प्रतिनिधिगण एवं उद्यमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों के स्वागत के उपरांत उद्यम प्रोत्साहन संबंधित फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर डॉ. मुकेश पचौरी एवं रूपाली शर्मा ने किया। समिट के दौरान बाड़मेर जिले के प्रमुख उद्यमों एवं हस्तशिल्पियों के उत्पादों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई समेत अन्य जन प्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

बाड़मेर में जिला स्तरीय इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, प्रभारी सचिव सुबीर कुमार, जिला कलैक्टर टीना डाबी, पुलिस अधीक्षक नरेंद्रसिंह मीना एवं चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल की उपस्थिति में 151 उद्यिमयों ने जिला प्रशासन के साथ 2200 करोड़ के निवेश के लिए एमओयू किया।

इसमें सर्वाधिक निवेश के लिए किशोरसिंह कानोड़ ने 1225 करोड़ का एमओयू किया।

इसमें 1000 करोड़ का रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर, कृषि विश्व विद्यालय के लिए 200 करोड़ एवं 25 करोड़ होटल निर्माण के लिए किए गए। इसके अलावा मैसर्स तनसिंह चौहान की ओर से जोगेन्द्रसिंह चौहान ने 171 करोड़, कैलाश मेहता ने 161 करोड़, जेएसडब्ल्यू की ओर से 28 करोड़ के निवेश के लिए एमओयू हस्ताक्षर किए।

मारवाड़ महोत्सव का आगाज

जोधपुर, (कासं) । जोधपुर में मारवाड़ महोत्सव का आगाज आज सुबह 6 बजे सूर्य आराधना के साथ हुआ। हेरिटेज वॉक, शोभायात्रा, बीएसएफ का केमल टेटू शौ और सैन्य शस्त्र प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। दोपहर में मूंछ प्रतियोगिता, साफा बांध प्रतियोगिता सहित कई प्रोग्राम हुए।

पर्यटन विभाग की सहायक निदेश डॉ. सरिता फिरोदा ने बताया कि मारवाड़ महोत्सव का आयोजन देशी-विदेशी पर्यटकों को राजस्थान की संस्कृति से रुबरू करवाने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। 16 और 17 अक्टूबर को कई आकर्षक कार्यक्रम होने वाले है। मारवाड़ महोत्सव में हर दिन शाम के समय कई सेलिब्रिटी और फेमस लोक कलाकार सांस्कृतिक संध्या में अपनी रंगारंग प्रस्तुतियां देंगे।

मारवाड़ महोत्सव को शुरुआत आज सुबह 6 बजे मेहरानगढ़ फोर्ट की पार्क पार्किंग स्थल पर सूर्य आराधना कार्यक्रम के साथ हुई। सुबह 6:30 बजे मेहरानगढ़ किले से जयपोल, फतह पोल रानी सर, पदमसर, सिंहपोल, जुनी धान मंडी, आडा बाजार, कुंज बिहारी मंदिर कटला बाजार होते हुए घंटाघर तक हेरिटेज वॉक का आयोजन हुआ।

7:30 बजे घंटाघर से नई सड़क होते हुए राज की उम्मेद स्टेडियम तक शोभायात्रा निकाली गई। 8:30 बजे राजकीय उम्मेद स्टेडियम में बीएसएफ की ओर से केमल टेटू शौ, सैन्य शस्त्र प्रदर्शनी सजी। 8:30 उम्मेद राज की स्टेडियम में पतंगबाजी और पतंग प्रदर्शनी का आयोजन किया। दोपहर में मूंछ प्रतियोगिता, साफा बांध प्रतियोगिता, मारवाड़ श्री प्रतियोगिता, मिस मारवाड़ा प्रतियोगिता, रस्सा कसी, मटका दौड़ का आयोजन किया गया। शाम को सम्राट अशोक उद्यान में हस्तशिल्प उत्पाद प्रदर्शनी, एंफीथियेटर में सांस्कृतिक संध्या भी शामिल है।

इंवेस्टमेंट के नाम ज्योतिषी को 25.64 लाख की चपत

जोधपुर, (कासं) । ज्योतिषी का कार्य करने वाले एक व्यक्ति से फेसबुक पर बने फ्रेंड ने इंवेस्टमेंट के नाम पर 25.64 लाख रूपयों की ठगी कर ली।

पहले ठगों ने मुनाफा दिया फिर उसे उलझाने के साथ गिरफ्तारी की धमकियां तक दी। पीड़ित उनके कहे अनुसार कार्य करता रहा और आखिरकार ठग अपने मकसद में कामयाब हो गए।

पीड़ित ने अब मंडोर थाने में मामला दर्ज करवाया है। इस संबंध में बालसमंद मंडोर रोड निवासी संतोष कुमार जोशी पुत्र शिवराज जोशी ने प्रकरण दर्ज करवाया है। सेन्द्रा सुदर्शन ने मुझे विश्वास दिलाने के लिये कई बार एन एफपी में इन्वेस्टमेंट से मुनाफे के बारे में बताया तथा उसे भी फायदा हुआ है ऐसा कहा था।

तब उसकी बातों पर विश्वास कर 29 जुलाई को यूटीआर पर 2.50 लाख रूपए बैंक इण्डसंड बैंक के खाता से आरटीजीएस के द्वारा सेन्ड्रा सुदर्शन के कहेनुसार जमा करवाए। शुरूआत में कुछ फायदा भी हुआ। ऐसे में सेन्ड्रा सुदर्शन की बातों पर विश्वास हो गया। इसके बाद विभिन्न समय में मेन्ड्रा सुदर्शन के कहने पर 25,64,516 रूपए का इन्वेस्टमेंट किया।

ठग को जब कहा कि रूपए खाते में जमा करवा दिए है तब भी खाते में रूपए नहीं आए। इस पर ठग ने कहा कि भारत में मनी लॉड्रिंग के काफी केस हो रहे है।

इसलिए सिक्योरिटी 5000 यूएस डॉलर और जमा करवाने होंगे। तब ठग की बातों पर संदेह होने लगा।

बाद में सेंड्रा सुदर्शन की तरफ से परिवादी जोशी को धमकियां दी जाने लगी और रूपए लौटाने से इंकार कर दिया। जोशी ने 4 सितंबर को साइबर थाने में इस बाबत शिकायत दी थी, अब मंडोर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच आरंभ की है।

दीपावली मेगा ई-ऑक्शन में जे.डी.ए. 106 भूखंडों की नीलामी करेगा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त उत्साह चौधरी के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशन में प्राधिकरण आय के स्त्रोत बढ़ाने के लिए प्राधिकरण की योजनाओं के भूखण्डों, सुविधा क्षेत्रों, व्यावसायिक, औद्योगिक भूखण्डों की निरन्तर भव्य एवं बम्पर ई-नीलामी की जा रही है।

प्राधिकरण ने दीपावली के अवसर पर अक्टूबर-नवम्बर मेगा ई-ऑक्शन 15 अक्टूबर से 21 नवम्बर के अन्तर्गत विवेक विहार योजना के आवासीय एवं व्यावसायिक भूखण्ड, गंगा विहार योजना, राज्य कर्मचारी आवासीय योजना, ख.सं. 713 ग्राम चैखा एवं राजीव गांधी नगर योजना स्थित आवासीय भूखण्ड, रामराज नगर ग्राम चैखा स्थित व्यावसायिक व विद्यालय के लिए भूखंड सहित राजीव गांधी नगर चौखा में स्थित मल्टीस्टोरी रहवासीय भूखण्डों सहित कुल 106 भूखण्डों की भव्य ई-नीलामी की जाएगी।

निदेशक वित्त दशरथ कुमार सोलंकी ने बताया कि मेगा ई-ऑक्शन कार्यक्रम अनुसार विवेक विहार आवासीय योजना के 60 आवासीय एवं 05 व्यावसायिक भूखण्डों की भव्य ई-नीलामी के तहत् सेक्टर-बी के 05 भूखण्डों भू.सं. 318, 347, 453, 505 व 472 हेतु आवेदकों द्वारा दिनांक 18 अक्टूबर तक नियमानुसार धरोहर राशि जमा करवाकर 21 अक्टूबर को 12:30 बजे तक ऑनलाईन बोली लगायी जा सकती है। ई-नीलामी से संबंधित विस्तृत जानकारी, नियम एवं शर्तें जोधपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट पर देखी जा सकती हैं।

प्रभारी अधिकारी नीलामी शाखा संदीप सान्दू ने बताया कि विभिन्न आवासीय क्षेत्रों में सुविधा क्षेत्रों एवं व्यावसायिक भूखण्डों की नीलामी माह अगस्त-अक्टूबर 2024 के अन्तर्गत प्राधिकरण नेरामराज नगर सेक्टर 01 स्थित व्यावसायिक भूखण्ड एवं राजस्व ग्राम भैंसेर कुतडी के ख.नं. 211/114, 273/116 वगैरह स्थित सुविधा क्षेत्र का एम.एस.एमई योजना, क्लब हाउस, कम्युनिटी सेन्टर एवं डिस्पेंसरी प्रयोजनार्थ के लिए 21 अक्टूबर को ई-नीलामी की जाएगी।

आवेदक 18 अक्टूबर तक नियमानुसार धरोहर राशि जमा करवाकर 21 अक्टूबर को12:30 बजे तक ऑनलाईन बोली लगा सकते हैं।

जेडीए जोधपुर द्वारा माह जुलाई-दिसम्बर कार्यक्रम अनुसार ख.सं. 701 ग्राम चैखा व्यवसायिक योजना स्थित 07 भूखण्डों की बम्पर ई-नीलामी के अन्तर्गत बुधवार को 05 व्यवसायिक भूखण्डों को नीलामी के जरिये विक्रय किया गया। जेडीए को भूखण्डों की नीलामी में 47,800/- प्रति वर्गमीटर की उच्चतम बोली दर प्राप्त हुई। बुधवार को भूखण्डों की नीलामी से प्राधिकरण को 3 करोड 68 लाख से अधिक के राजस्व की प्राप्ति होगी। प्रभारी अधिकारी नीलामी शाखा संदीप सान्दू ने बताया कि शुक्रवार को ख.सं. 701 ग्राम चौखा व्यवसायिक योजना के 02 भूखण्डों एवं अरणा विहार योजना के 03 भूखण्डों को नीलामी के जरिये विक्रय किया जाएगा। ई-नीलामी में भाग लेनेके लिए आवेदकों से नियमानुसार गुरूवार तक धरोहर राशि जमा करवाते हुए ऑनलाईन बिड लगायी जा सकती है। ई-नीलामी से संबंधित विस्तृत जानकारी, नियम एवं शर्तें जोधपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट पर देखी जा सकती हैं।

मंत्री कुमावत की मौजूदगी में जैसलमेर में 25 हजार करोड़ के निवेश के अनुबंध

जैसलमेर, (नि.सं.)। राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर समिट-2024 के तहत जिला स्तरीय इन्वेस्टर मीट का आयोजन बुधवार को सम रोड़ स्थित होटल मेरियट में किया गया। जिला स्तरीय समिट में 76 औद्योगिक इकाईयों के साथ 25हजार करोड़ रूपए से अधिक राशि के एम.ओ.यू. हुए। जिले में 15 हजार से अधिक लोगों को रोजगार का अवसर मिलेगा।

जिला स्तरीय इन्वेस्टर मीट में जिला प्रभारी मंत्री एवं पशुपालन, डेयरी, देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत के समक्ष इन्वेस्टरों ने एम.ओ.यू.किए। इस दौरान विधायक छोटूसिंह भाटी, विधायक महंत प्रतापपुरी, जिला प्रमुख प्रताप सिंह सोलंकी, नगर परिषद सभापति हरीवल्लभ कल्ला, जिला कलेक्टर प्रतापसिंह, पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी, समाज सेवी चंद्रप्रकाश शारदा भी मौजूद रहे।

इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिले के प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत ने अपने संबोधन कहा कि राइजिंग राजस्थान के माध्यम से प्रदेश में निवेशकों को प्रोत्साहन देना अत्यंत सराहनीय कदम है। इससे न केवल आर्थिक विकास होगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार निवेशकों को आकर्षित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं देश-विदेश में रोड शो कर राज्य में निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश को सुगम बनाने के लिए सरकार नियमों का सरलीकरण कर रही है और निवेशकों से नियमित संवाद बनाए रखने पर जोर दे रही है। विधायक छोटूसिंह भाटी ने कहा कि जैसलमेर जिले की भौगोलिक स्थिति और इसकी औद्योगिक संभावनाएं जिले को निवेश के लिए एक आदर्श स्थान बनाती हैं।

इससे पूर्व निवेशकों का स्वागत करते हुए जिला कलैक्टर प्रतापसिंह ने कहा कि सरकार और प्रशासन निवेशकों के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। जैसलमेर में निवेशकों को बेहतर सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे निवेश की प्रक्रिया सुगम होगी। वहीं जिला उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक संतोष ने जिले में उद्योगों की संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर मुनीराम बगड़िया, मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनीता चौधरी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कैलाश दान, रीको इण्डस्ट्रीज एसोसियेशन जैसलमेर के अध्यक्ष गोपीकिशन मेहरा, लघु उद्योग भारती जैसलमेर के अध्यक्ष मनीष सांवल, पत्थर मिनरल व्यापार संघ जैसलमेर के अध्यक्ष राधेश्याम कल्ला, हैण्डीक्रॉफ्ट एसोसियेशन जैसलमेर के अध्यक्ष महेश वासु, सम कैम्पस एण्ड रिसोर्ट वेलफेयर सोसायटी जैसलमेर के अध्यक्ष कैलाश व्यास और दलित इण्डियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री जैसलमेर के जिला समन्वयक भीमाराम तथा समाजसेवी महंत बाल भारती,अरुण पुरोहित, कवराजसिंह चौहान,बाबूलाल शर्मा समेत बड़ी संख्या में उद्योगों के प्रतिनिधि, जन प्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

इस दौरान जिले की हस्त शिल्प और कला पर आधारित उत्पादों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका प्रभारी मंत्री समेत सभी अतिथियों ने अवलोकन किया और कलाकारों की विशिष्ट शैली की सराहना की।

एडवोकेट डांगी सहायक डिफेंस काउंसिल नियुक्त

जोधपुर, (का.सं.)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण राजस्थान जयपुर की अनुशंसा पर भोपालगढ़ क्षेत्र के आसोप निवासी युवा अधिवक्ता सिमरनजीत डांगी को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जोधपुर महानगर में असिस्टेंट लीगल डिफेंस काउंसिल (सहायक डिफेंस काउंसिल नियुक्त) नियुक्त किया गया है। उन्होंने प्राधिकरण में पदभार ग्रहण कर लिया।

चीफ डिफेंस काउंसिल एडवोकेट श्यामसिंह चौहान गादेरी ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं अपर जिला व सेशन न्यायाधीश जोधपुर महानगर की ओर से जारी आदेशानुसार राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर की अनुशंसा पर 6 अधिवक्ताओं को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जोधपुर के एलएडीसी कार्यालय में डिप्टी चीफ व असिस्टेंट एलएडीसी के अलग-अलग पदों पर नियुक्त किया गया है।

दो लपके पकड़े

जोधपुर, (कासं) । कमिश्नरेट के पर्यटक थाना पुलिस ने रेलवे स्टेशन के सामने होटलों के बाहर स्थानीय लोगों को सस्ते अच्छे खाने का प्रलोभन देकर उकसाने वाले दो युवकों को गिरफ्तार कर केस दर्ज किया।

पर्यटक थाने के एएसआई पृथ्वीसिंह ने जानकारी दी।

आम सूचना

श्री भेराराम पुत्र लीलाजी माली , निवासी - अजारी तह.- पिण्डवाडा जिला सिरोही का एक बक्षीशसुदा , कब्जासुदा मालिकाना हक का भुखण्ड ग्राम अजारी की आबादी भूमि में कुल क्षैत्रफल 980.875 वर्गफीट आया हुआ है । जिसका पट्टा ग्राम पंचायत अजारी द्वारा पट्टा संख्या 21 दिनांक 28.08.1980 को वीराराम पुत्र लीलाजी , निवासी अजारी के पक्ष में जारी किया गया । जिसका पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय पिण्डवाडा में दिनांक 26.12.2020 को क्रम संख्या 751 पंजीबद्ध किया गया । तत्पश्चात् वीराराम ने उपरोक्त सम्पूर्ण भुखण्ड का बक्षीशनामा सगे पुत्र भेराराम के पक्ष में दिनांक 24.09.2024 को निष्पादित कर बक्षीशनामें का पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय पिण्डवाडा में दिनांक 24.09.2024 को पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 278 पृष्ठ संख्या 169 क्रम संख्या 202403010102072 पर पंजीबद्ध किया गया । भेराराम द्वारा पट्टा संख्या 21 का पंजीयन विलेख कही गुम हो गया है जिसको ढूढने पर भी भेराराम को नही मिला है , तत्पश्चात् भेराराम पट्टे के पंजीयन विलेख की गुमसूदगी पुलिस थाना पिण्डवाडा में दिनांक 16.10.2024 क्रम संख्या 2433082/2024 पर दर्ज करवाई गई । उपरोक्त सम्पति पर श्री भेराराम द्वारा इंडिया शेल्टर फाइनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड शाखा सिरोही द्वारा ऋण लिया जाना प्रस्तावित है । इसलिये उक्त आम सुचना के जरिये सुचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को उक्त खोए गए दस्तावेज मिले हो तो अध्योहस्ताक्षारकर्ता को सम्पर्क कर लौटाने का श्रम करावें तथा यदि किसी को कोई आपति हो तो तीन दिन के भीतर अध्योहस्तक्षरकर्ता को दर्ज करावें । बाद म्याद गुजरने कोई आपति स्वीकार्य नही होगी ।

इति दिनांक 16.10.2024

अभिनव सुथार अधिवक्ता
R/1443/2005
वर्धमान कॉलोनी , आहोर, तहसील आहोर , जिला जालोर (राज.)
मो.न.9799152119

राज. इंटरनेशनल फोक फेस्टिवल शुरू

जोधपुर, (कासं)। लोक संगीत और कलाकारों को समर्पित राजस्थान इंटरनेशनल फोक फेस्टिवल (जोधपुर रिफ) का 17वां संस्करण बुधवार से शुरू हो गया। रिफ का आगाज आज सुबह वीर दुर्गादास मेमोरियल पार्क मसूरिया पहाड़ी पर बाल मेला व लोक कलाकारों की प्रस्तुति के साथ किया गया। मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस पांच दिवसीय रिफ में देश-विदेश के करीब 280 कलाकार अपनी भागीदारी निभाएंगे।

आज सुबह वीर दुर्गादास मेमोरियल पार्क मसूरिया पहाड़ी पर आयोजित कार्यक्रम में लोक कलाकारों ने बेहतरीन लोक नृत्य के साथ बहुरूपिया शैली, घूमर, पाबूजी की फड़, कच्छी घोड़ी, छतर कोटला व चंग की थाप पर नृत्य का प्रदर्शन किया। इस आयोजन में जोधपुर के विभिन्न स्कूली बच्चों ने भाग लिया। जोधपुर रिफ महोत्सव के निदेशक दिव्य भाटिया ने बताया कि फेस्टिवल में विश्व के कई नामचीन संगीतकार व कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। फेस्टिवल का समापन बीस अक्टूबर को होगा। इस पांच दिन के संगीत महोत्सव में शहरवासी व अन्य लोग ना केवल विश्व स्तरीय संगीत सुन पाएंगे बल्कि जड़ों को भी समझ पाएंगे। इस बार नई पीढ़ी के साथ ही रोमांचक ओर नवीन शैली का आदान-प्रदान ख्याति प्राप्त और स्थानीय कलाकार करेंगे।

-शरद पूर्णिमा की चांदनी में बिखरेगा स्वर लहरियों का जादू

महोत्सव निदेशक दिव्य भाटिया ने बताया कि इस बार 280 से अधिक कलाकार प्रस्तुति देंगे। यहां राजस्थानी लोक संगीत कलाकारों के साथ अंतरराष्ट्रीय कलाकार जुगलबंदी करते नजर आएंगे।

शरद पूर्णिमा की धवल चांदनी में देश-विदेश के लोक कलाकारों की स्वर लहरियों का जादू बिखरेगा। रिफ में देशी-विदेशी पर्यटकों व शहरवासियों को सुरीले संगीत की धुनों के साथ ही शरद पूर्णिमा की चांदनी से सराबोर मेहरानगढ़ की सजावट देखने को मिलेगी। महोत्सव में विदेशी कलाकारों में फ्रांसीसी कलाकार एरिक माउक्वेट, मारवाड़ के मांगणियार, केरल के कुटियाट्टम वादक कपिला वेणु, नॉर्वे के गायक गब्बा, गीतकार सोना महापात्रा, एस्टोनिया के पुउलुप, अनुजा जोकरकर, मेहरदीन खान लंगा, गायक बरनाली चट्टोपाध्याय, सुमित्रा दास गोस्वामी, हैदराबाद के वारसी ब्रदर्स और कालूराम बामनिया जैसे कलाकार प्रदर्शन करेंगे।

इस बार तीन थिएटर की प्रस्तुति भी होगी, जिसमें तारिणी त्रिपाठी की ओर से कथक प्रतिपादक में कुटियाट्टम, दिलीप भट्ट की ओर से जयपुर तमाशा में पावकथकली और अदिति भावत की ओर से लावणी शैली में प्रस्तुति दी जाएगी। इसी तरह मॉरीशस के एमलिन मारीमुतु अपने मल्टी-इंस्ट्रूमेंट से अफ्रीका के मालागासी और भारतीय कलाकारों संग प्रस्तुति देंगे। अमेरिकी व जिबाब्वे के लुईस हलांगा, दक्षिण कोरिया के ठो बाय सिल्वर, सिंधी सारंगी पर आगा खान, असिन खान लंगा और दिलशाद खान सहित एकेएमए स्पेशल मेंशन कलाकार स्वदेशी लोकगीत, आधुनिक जैज और नए युग के वाद्ययंत्रों की प्रस्तुति देंगे।

सड़क हादसे में व्यापारी की मौत

पाली, (नि.सं.)। गौना एमपी हाल अहमदाबाद निवासी बिजनेसमैन 27 साल का जगदीश प्रजापति पुत्र मनोहरलाल अपने बिजनेस के काम से दिल्ली गया था। जो वापस बुधवार को फॉर्च्यूनर कार से अहमदाबाद के लिए रवाना हुआ कार में उनके साथ सांगवाड़ा (डूंगरपुर) निवासी 29 साल का जयपालसिंह पुत्र खुमानसिंह राजपूत भी थे।

सुबह करीब छह बजे पाली जिले के तोगावास गांव के निकट हाइवे पर ओवरटेक के चक्कर में तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर असंतुलित होकर कई बार पलट गई। हादसे में दोनों घायल हो गए। जिन्हें एम्बूलेंस की सहायता से उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। जहां उपचार के दौरान जगदीश प्रजापति की मौत हो गई। हादसे में उसके सिर और पेट में अंदुरुनी चोटे आई थी। जयपालसिंह भी घायल है। जिसका उपचार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि मृतक जगदीश की करीब एक साल पहले ही शादी हुई थी। जानकारी मिलने पर मृतक के परिचित बांगड़ हॉस्पिटल पहुंचे और घटना की जानकारी परिजनों को दी।

वृद्धाश्रम में सहयोग किया

जोधपुर, (कासं) । समाजसेवी रमेश छाजेड रामसर ने आज बनाड़ स्थित दादा दादी वृद्धाश्रम में आवासित वृद्धजनों के लिए दो माह की राशन खाद्य सामग्री उपलब्ध करवा कर सभी वृद्धजनों को राहत प्रदान करने का अनुमोदनीय कार्य किया गया है। दादा दादी वृद्धाश्रम के बुजुर्गो की सेवा में मानव सेवा संस्थान जोधपुर की एक एम्बुलेंस गाड़ी भी सुपुर्द की गई। मानव सेवा संस्थान के अध्यक्ष रमेश छाजेड़ ने बताया कि हैल्थ वेलफेयर संस्थान द्वारा बनाड़ स्थित दादा -दादी वृद्धाश्रम में में कुल 23 वृद्धजन निवासरत है जिनकी आयु 75 वर्ष से 80 वर्ष तक की है, उक्त वृद्धाश्रम में बुजुर्गो के लिए समय -समय पर विभिन्न प्रकार की जरूरत की पूर्ति की जाती है।

Jalore Nagrik Sahakari Bank Ltd.
Head Office : Near Haridav Joshi Circle , Jalore (Rajasthan)
Email: headoffice@jalorebank.com / Bank Website :- www.jalorebank .com Phone No. 9413854111

क्रमांक/जानासबैंकलि/6170 दिनांक 16.10.2024

निविदा सूचना

जालोर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड बैंक को अपनी शाखा जसवन्तपुरा (जिला -जालोर) के नवीन भवन हेतु फनीचर निर्माण एवं इलेक्टीक फिटिंग के कार्य हेतु पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मो / कम्पनियों (GST Firm) से निविदा आंमत्रित की जाती है । अत: इच्छूक पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्म / कम्पनी (GST Firm) अपनी निविदा दरें सील बन्द लिफाफे में दिनांक 30.10.2024 को सांय 4 बजे तक बैंक प्रधान कार्यालय स्थित मुख्यकार्यकारी अधिकारी के कक्ष में रखे गये टेण्डर बॉक्स में डालना सुनिश्चित करें । विस्तृत विवरण शर्तें मात्रा इत्यादि की सम्पूर्ण बैंक की वेबसाईट www.jalorebank.com पर उपलब्ध है ।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी
जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि.जालोर

TRUE VALUE
MARUTI SUZUKI
वाइड रेंज के साथ बेहतरीन क्वालिटी मिलेगी
सिर्फ TRUE VALUE पे
TRUE VALUE
MARUTI SUZUKI
CELEBRATING
50 LAKH
HAPPY FAMILIES
CERTIFIED
376 क्वालिटी चेक पॉइंट्स
3 FREE SERVICES
3 फ्री सर्विस और 1 साल तक की वारंटी*
वेरिफाइड कार हिस्ट्री*
अधिक जानने के लिए स्कैन करें
पूछताछ के लिए कॉल करें 1800 102 1800 | या जाएँ यहाँ www.marutisuzukitruevalue.com
*नियम और शर्तें लागू। Verified Car History और Warranty केवल True Value प्रमाणित कारों पर लागू। नि:शुल्क सेवा केवल श्रम शुल्क पर लागू है। वाहन पर काला शीशा प्रकाश प्रभाव के कारण होता है।
JODHPUR: PLOT NO. C 62, MARUDHARA INDUSTRIAL AREA, BASNI 1ST PHASE SARASWATI NAGAR, JODHPUR, AURIC MOTORS PVT. LTD.: 7014799620, 6377715175 | OPPOSITE SARAN NAGAR GATE A, BANAR ROAD, JODHPUR, LMJ SERVICES: 7230078225, 8094011141| BASNI: 32-A, HEAVY INDUSTRIAL AREA, NEAR F.C.I. GODOWNS, JODHPUR, SHRI KRISHNA AUTO SALES: 9821938669, 9829197669 | PALI: NEAR VEER PRABHU GARDEN, JODHPUR ROAD, PALI, LMJ SERVICES: 7230026924.